राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 209 | रायपुर | मंगलवार 22 जुलाई 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन, बाणगंगा के पास चट्टानें गिरीं, 4 श्रद्धालु घायल

राज्यसभा से आप नेता संजीव अरोड़ा का इस्तीफा मंजूर

मानसून सत्र विजय का उत्सव, ऑपरेशन सिंदूर में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुए

दुनिया ने भारत का सामर्थ्य देखा सेना ने लक्ष्य हासिल किया : मोदी

एजेंसी

आज से संसद का मॉनसून सत्र 2025 शुरू हो रहा है. सत्र की शुरुआत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन में कहा, 'बारिश हर परिवार की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. आने वाले दिनों देश को इसका लाभ होगा. ये मानसून सत्र राष्ट्र के लिए गौरवपूर्ण सत्र है.'

मोदी ने सत्र की शुरुआत में कहा कि मॉनसून नवीनता और नवसृजन का प्रतीक है. अब तक की खबरों के मुताबिक देश में मौसम बहुत ही अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है. कृषि को लाभदायक मौसम की खबरें हैं. बारिश किसानों की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और हर परिवार की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण होता है... पिछले 10 सालों में इस बार 3 गुना पानी का भंडार हुआ है, जिसका आने वाले दिनों में भी देश के अर्थतंत्र को बहुत लाभ होगा।

पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा, 'दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना का सामर्थ्य देखा. ऑपरेशन सिंदूर के तहत, 22 मिनट के अंदर, आतंकवादियों के आकाओं के घरों को जमींदोज कर दिया गया. मेड इन इंडिया सैन्य शक्ति के इस नए रूप की ओर दुनिया बहुत आकर्षित हुई है. इन दिनों जब भी मैं दुनिया के लोगों से मिलता हूं तो भारत द्वारा बनाए जा रहे मेड इन इंडिया हथियारों के प्रति दुनिया का आकर्षण बढ़ता ही जा रहा है...'

'घट रहा है नक्सल और माओवाद का दायरा'

पीएम ने कहा कि आज हमारे सुरक्षा बल एक नए आत्मविश्वास और नक्सलवाद को खत्म करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं. आज कई जिले नक्सलवाद से मुक्त हैं. देश में माओवाद और नक्सलवाद का दायरा छोटा हो रहा है. हमें गर्व है कि बंदूक के आगे हमारे देश का संविधान जीत रहा है. जो जोन पहले रेड जोन थे, वो अब देश के लिए ग्रीन जोन बनते जा रहे हैं और इस सत्र में देश के इस गौरवगान के पूरा देश सुनेगा और हर सांसद से सुनेगा.

'तीसरी अर्थव्यवस्था के दरवाजे पर देश' : पीएम

पीएम ने भारत की अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि पहले हम दुनिया में 10वें नंबर की अर्थव्यवस्था थे, लेकिन अब हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने जा रहे हैं भारत दुनिया के मंच पर अपनी तक्करी से दस्तक दे रहा है. मोदी ने कहा, 'आर्थिक क्षेत्र में जब 2014 में आप सभी ने हमें ज़िम्मेदारी दी थी, तब देश फ्रैजाइल फाइव के चरण से गुज़र रहा था. 2014 से पहले हम वैश्विक अर्थव्यवस्था में दसवें नंबर पर थे. आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है...'।

ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा

राहुल गांधी कभी-कभार ही सदन में आते हैं : सांसद

एजेंसी

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के पहले दिन ही ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में जोरदार हंगामा देखने को मिला. विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमला और उसके जवाब में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए दोनों सदनों में नारेबाजी की. हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगत कर दी गई. इसके बाद जब दोबारा सत्र की कार्यवाही शुरू हुई तो हंगामा जारी रहा. विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में अपनी बात रखने की अनुमति न मिलने को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जब सरकार की ओर से रक्षा मंत्री और अन्य मंत्री बोल सकते हैं, तो विपक्ष के नेता को भी बोलने का अधिकार मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने सदन में कहा, सवाल यह है कि सरकार के लोग सदन में बोल सकते हैं, लेकिन विपक्ष के किसी नेता को बोलने नहीं दिया जाता। मैं विपक्ष का नेता हूं, मुझे कभी बोलने ही नहीं दिया जाता। यह मेरा हक है। परंपरा कहती है कि अगर सरकार की ओर से लोग बोल सकते हैं, तो हमें भी बोलने की जगह मिलनी चाहिए।

राहुल गांधी के इस दावे पर कि उन्हें लोकसभा में बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही है, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा, ÷वह कभी-कभार ही सदन में आते हैं और फिर बिना बारी के बोलना चाहते हैं. लेकिन जब बोलने का समय होता है, तो वह सदन में नहीं आते।

जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने की प्रक्रिया शुरू, लोकसभा में 145, राज्यसभा में 63 सांसदों ने दिया नोटिस

संसद में कितने सांसदों ने दिए नोटिस – लोकसभा में 145 सांसदों ने एक साथ मिलकर न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए नोटिस दिया है। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी, भाजपा के रविशंकर प्रसाद और अनुराग ठाकुर, कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल और के सुरेश, एनसीपी-एसपी की सुप्रिया सुले, डीएमके के टीआर बालू, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन और आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर जैसे कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं।

राज्यसभा में 63 सांसदों ने दिया नोटिस – राज्यसभा में भी 63 सांसदों ने यही मांग उठाते हुए नोटिस दिया है। कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने बताया कि आम आदमी पार्टी और विपक्षी इंडिया गठबंधन के सांसदों ने भी इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट को मिले 6 नए जज, मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को 6 नए न्यायाधीशों ने शपथ ली। इनमें न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव, न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव साम्ब्रे, न्यायमूर्ति विवेक चौधरी, न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल, न्यायमूर्ति अरुण मोंगा और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला शामिल हैं। शपथ समारोह में दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने सभी नए जजों को शपथ दिलाई।

इस नियुक्ति के बाद दिल्ली हाईकोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है, जबकि स्वीकृत पदों की कुल संख्या 60 है। ये सभी जज सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद अन्य हाईकोर्टों से दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित किए गए हैं। न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव का नाम सबसे खास है, जो मई 2024 में कर्नाटक हाईकोर्ट गए थे और अब अपने मूल कोर्ट, दिल्ली हाईकोर्ट, में लौट आए हैं। उन्हें अप्रैल 2013 में दिल्ली हाईकोर्ट का अतिरिक्त जज और मार्च 2015 में स्थायी जज बनाया गया था। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से आए हैं।

यह संसद है, प्राइवेट ड्राइंग रूम नहीं, नियमों के दायरे में रहना होगा, राहुल-प्रियंका पर प्रधान का पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी – केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी की सदन में चर्चा से भागने के लिए आलोचना की और सांसदों को फटकार लगाई कि वे इसे अपना निजी बैठक कक्ष न समझें। उन्होंने कहा कि संसद के कामकाज के लिए विशिष्ट नियम और कानून हैं और इसे किसी एक व्यक्ति की निजी इच्छा पर नहीं चलाया जा सकता। उन्होंने कहा कि हम सदन चलाना चाहते हैं। यह राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का निजी बैठक कक्ष नहीं है। सभी को नियमों के दायरे में रहना होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा वे खुद चर्चा से भाग रहे हैं, क्योंकि उन्हें पाकिस्तान का समर्थन करने में ज़्यादा दिलचस्पी है। उन्हें भारत की विपक्षी ताकतों की मदद करने में ज़्यादा दिलचस्पी है। इसलिए वे संसद में ज़िम्मेदारी से बोलना नहीं चाहते। वे किसी भी विषय पर चर्चा कर सकते हैं, उसका जवाब दिया जाएगा। प्रधान की यह टिप्पणी मानसून सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित होने के बाद आई, जब राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि विपक्ष को बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

हरियाणा लैंड डील मामले में ईडी का शिकंजा, रॉबर्ट वाड्रा पर 58 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप

एजेंसी

चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली हरियाणा के बहुचर्चित गुरुग्राम लैंड डील मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने रॉबर्ट वाड्रा पर अपना शिकंजा कस दिया है। एजेंसी ने पिछले सप्ताह वाड्रा समेत 11 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करते हुए आरोप लगाया है कि डीएलएफ प्रोजेक्ट की लैंड डील में हुई अनियमितताओं से रॉबर्ट वाड्रा को 58 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। ईडी के मुताबिक, यह पूरा मामला गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव (अब सेक्टर 83) की 3.5 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जिसे पहले रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने महज 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। बाद में, कथित तौर पर जमीन का लैंड यूज बदलवाने के बाद इसी जमीन को 2012 में डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेच दिया गया।

यह मामला सबसे पहले तब सुर्खियों में आया था, जब हरियाणा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने इस जमीन के म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) को रद्द कर दिया था। ईडी ने अपनी चार्जशीट में दावा किया है कि इस सौदे के लिए 53 करोड़ रुपये का भुगतान स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी के खाते में किया गया, जबकि 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी को दिए गए। एजेंसी का आरोप है कि इस 58 करोड़ रुपये की रकम का इस्तेमाल वाड्रा ने अन्य अचल संपत्तियों की खरीद, निवेश और अपने लोन चुकाने के लिए किया।

ईडी का यह भी कहना है कि वाड्रा की कंपनी को कमर्शियल लाइसेंस देने की प्रक्रिया में भी गंभीर गड़बड़ियां की गई थीं। इस चार्जशीट को दाखिल करने से पहले एजेंसी रॉबर्ट वाड्रा से कई दौर की पूछताछ कर चुकी है। इस कानूनी कार्रवाई के बीच मामले पर राजनीति भी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता और नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पहली बार खुलकर अपने जीजा रॉबर्ट वाड्रा का बचाव किया है। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा, यह सरकार बीते 10 सालों से मेरे जीजा को बेवजह ही परेशान कर रही है। यह सब बदले की राजनीति के तहत किया जा रहा है। इस बयान के बाद इस मामले के और तूल पकड़ने की संभावना है।

मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट : हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, सभी 12 आरोपी बरी

मुंबई ,2006 के मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट मामले में सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी 11 दोषियों को निर्दोष करार दिया और उन्हें बरी कर दिया है। यह फैसला जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस एस. जी. चांडक की खंडपीठ ने सुनाया। इस मामले में कुल 12 आरोपियों को पहले निचली अदालत ने दोषी ठहराया था, जिनमें से 5 को फांसी और 7 को उम्रकैद की सजा दी गई थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान 11 दोषियों को बरी कर दिया, जबकि एक आरोपी की मृत्यु पहले ही हो चुकी थी। सूत्रों के अनुसार, इस साल जनवरी में इस प्रकरण की अंतिम सुनवाई पूरी हुई थी, जिसके बाद फैसला सुरक्षित रखा गया था। दोषियों ने येरवडा, नाशिक, अमरावती और नागपूर जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

चैतन्य बघेल ने की 16.70 करोड़ की 'अपराध आय' की हेराफेरी : ईडी

एजेंसी।

रायपुर छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। उन्हें 18 जुलाई को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 22 जुलाई तक पांच दिन की ईडी रिमांड पर भेज दिया गया है।

ईडी ने मामले को लेकर आधिकारिक प्रेस नोट जारी करते हुए चैतन्य बघेल पर धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत गंभीर आरोप लगाए हैं।

ईडी का आरोप : 16.70 करोड़ की 'अपराध आय' की हेराफेरी - ईडी के मुताबिक, चैतन्य बघेल को 2019 से 2022 के बीच हुए शराब घोटाले से 16.70 करोड़ रुपए की अपराध आय (POC) प्राप्त हुई। इस राशि को वैध दिखाने के लिए उन्होंने अपनी रियल एस्टेट कंपनियों का इस्तेमाल किया और इस पैसे का उपयोग अपने विट्ठलपुरम प्रोजेक्ट जैसे रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में नकद भुगतान और बैंक एंट्रीज के ज़रिए किया।

ईडी का दावा है कि उन्होंने त्रिलोक सिंह ढिल्लों के साथ मिलीभगत कर एक योजना तैयार की, जिसके तहत ढिल्लों के कर्मचारियों के नाम पर फ्लैट खरीद की आड़ में 5 करोड़ रुपये नकद चैतन्य बघेल को ट्रांसफर किए गए।

बैंकिंग ट्रेल से मिले अहम सुराग प्रेस नोट में कहा गया है कि त्रिलोक सिंह ढिल्लों के खातों में शराब सिंडिकेट से मिले फंड के ट्रांजैक्शन मिले हैं, जिन्हें आगे राज्य कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन कोषाध्यक्ष को ट्रांसफ र किया गया। ईडी का दावा है कि घोटाले से अर्जित धन बघेल परिवार के करीबी सहयोगियों में भी वितरित किया गया है।

देश | मुख्यमंत्री ने दी बधाई

राजस्थान के जयपुर को टॉप 5 वैश्विक पर्यटन शहरों में मिली जगह

नई दिल्ली ,

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर को ट्रैवल + लीजर वर्ल्ड्स बेस्ट अवार्ड्स 2025 की सूची में विश्व के शीर्ष पांच पर्यटन शहरों में स्थान मिलने पर उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के सतत प्रयासों का प्रतिफल बताया है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पर्यटन को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की सोच, 'डबल इंजन की सरकार' की नीति, और राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों का ही नतीजा है कि आज जयपुर जैसे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक शहर को दुनिया में इतना सम्मान मिला है।

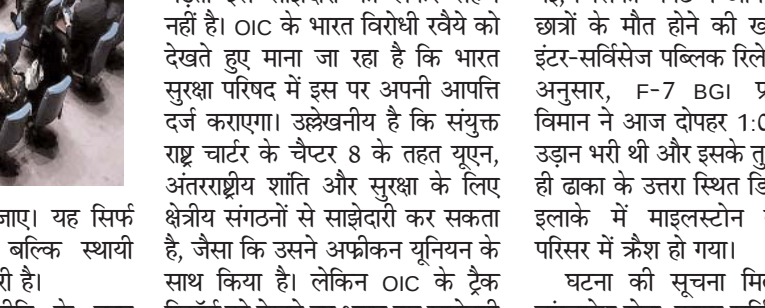

उन्होंने पर्यटन विभाग की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि - राज्य सरकार द्वारा पर्यटन अवसंरचना, संस्कृति संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के विकास के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनसे राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान मिल रही है।

प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

दिया कुमारी ने इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मान हर उस व्यक्ति की मेहनत का फल है जो राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, मेहमाननवाजी और परंपरा को दुनिया के सामने गर्व से प्रस्तुत करता है।उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आने वाले समय में राजस्थान और जयपुर विश्व पर्यटन मानचित्र पर और भी ऊंचाइयों को छुएंगे।

विमान का सहायक पावर यूनिट (APU), जो टेल सेक्शन में ही होता है, सुरक्षित पाया गया है। डेटा से पता चला है कि हादसे के समय APU अपने आप ऑटो-स्टार्ट मोड में सक्रिय हो गया था, जो इस बात का एक और मजबूत संकेत है कि विमान की मुख्य बिजली प्रणाली फेल हो गई थी और दोनों इंजनों को ईंधन की आपूर्ति कुछ ही सेकंड में बंद हो गई थी।

यूनएससी अध्यक्षता मिलते ही पाक की चाल : शांति की बहस में कश्मीर राग डालने की साजिश

एजेंसी

इस्लामाबाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता मिलते ही पाकिस्तान अपने पुराने एजेंडे पर लौट आया है। वह इस शक्तिशाली मंच का इस्तेमाल भारत के खिलाफ करने और अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि चमकाने की दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है। जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान इस सप्ताह होने वाली एक उच्च-स्तरीय खुली बहस के दौरान कश्मीर का मुद्दा उठाने की फिराक में है। इसके साथ ही वह इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) को संयुक्त राष्ट्र में एक मजबूत भूमिका दिलाने की भी कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार की अध्यक्षता में इस हफ्ते 'अंतरराष्ट्रीय झगड़ों के शांतिपूर्ण समाधान' विषय पर एक उच्च-स्तरीय खुली बहस होनी है। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान इसी बैठक का फायदा उठाकर कश्मीर का मुद्दा उठा सकता है। हालांकि, भारत भी इस पर चुप बैठने वाला नहीं है और किसी भी ऐसे प्रयास का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पाकिस्तान के इरादे तभी साफ हो गए थे, जब 1 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र में उसके स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने एक बयान में कहा था, अब समय आ गया है कि कश्मीर विवाद का हल ढूंढा जाए। यह सिर्फ पाकिस्तान की नहीं, बल्कि स्थायी सदस्यों की भी जिम्मेदारी है।

अपनी दूसरी रणनीति के तहत पाकिस्तान इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) को संयुक्त राष्ट्र में एक बड़ी भूमिका दिलाने में लगा हुआ है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री डार की अध्यक्षता में OIC और संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी पर एक अलग बैठक भी प्रस्तावित है। 57 मुस्लिम देशों वाला OIC, 2019 में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से ही लगातार कश्मीर पर भारत के खिलाफ बयानबाजी करता रहा है।

भारत, OIC और संयुक्त राष्ट्र के बीच बढ़ती इस साझेदारी को लेकर सहज नहीं है। OIC के भारत विरोधी रवैये को देखते हुए माना जा रहा है कि भारत सुरक्षा परिषद में इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराएगा। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के चैप्टर 8 के तहत यूएन, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय संगठनों से साझेदारी कर सकता है, जैसा कि उसने अफ्रीकन यूनियन के साथ किया है। लेकिन OIC के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए भारत इस साझेदारी को लेकर चिंतित है।

बांग्लादेश में कॉलेज पर गिरा वायुसेना का लड़ाकू विमान, धमाके के बाद लगी भीषण आग; कई मौते

ढाका ,एजेंसी

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जहां बांग्लादेश वायु सेना का एक प्रशिक्षण विमान एक कॉलेज परिसर की इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद विमान में जोरदार धमाका हुआ और उसमें आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से कई छात्रों के मौत होने की खबर है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, F-7 BGI प्रशिक्षण विमान ने आज दोपहर 1:06 बजे उड़ान भरी थी और इसके तुरंत बाद ही ढाका के उत्तरा स्थित डियाबाड़ी इलाके में माइलस्टोन कॉलेज परिसर में क्रैश हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही बांग्लादेश सेना, फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के जवान मौके पर पहुंच गए हैं और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा साझा किए गए वीडियो में सेना के जवानों को कई घायल छात्रों को दुर्घटनास्थल से निकालते हुए देखा जा सकता है। एक शिक्षक, नुरुज्जमां मृधा ने बताया, हमने झुलसे हुए कुछ छात्रों को रिक्शे और वैन में अस्पताल पहुंचाया। उनके कपड़े फट चुके थे और कुछ तो अपने जले हुए शरीरों के साथ खुद ही बचाव वाहनों की ओर चल रहे थे।

1 लाख 74 हजार पौधरोपण से बालोद जिले में जुड़ा नया अध्याय

उप मुख्यमंत्री सांसद सहित अन्य अतिथियों के अलावा सभी वर्ग के लोगों ने जिला प्रशासन की इस अभिनव, जनकल्याणकारी एवं पुनीत कार्य की सराहना

बालोद ।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृह, जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बालोद जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा आज जिले में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से जिले में ऐतिहासिक एवं पावन, पुनीत कार्य किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बालोद जिले में जनहित में किए गए इस नेक कार्य के फलस्वरूप आज का वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम सभी के लिए सदैव अविस्मरणीय एवं प्रेरणादायी रहेगा।

उप मुख्यमंत्री शर्मा आज संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में आयोजित वृहद वृक्षारोपण सह वनमहोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। शर्मा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चन्द्राकर, राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, नगर पालिका परिषद बालोद की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा चैधरी, राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य यशवंत जैन, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि चेमन देशमुख, पूर्व विधायक बिरेन्द्र साहू एवं प्रीतम साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवलाल ठाकुर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती टेमरिया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा एवं राकेश यादव सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि केसी पवार, अभिषेक शुक्ला, राकेश यादव (छोटू), ग्राम पंचायत सिवनी के सरपंच बहुर सिंह नेताम एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल, वनमण्डलाधिकारी अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर चन्द्रकांत कौशिक एवं अजय किशोर लकरा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, विभिन्न संस्थाओं एवं संगठन के प्रतिनिधि, पत्रकारगण एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन की अभिनव पहल पर आज जिले में आयोजित वृहद वृक्षारोपण सह वन महोत्सव कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से बालोद जिले में सभी वर्गों के लोगों के द्वारा कुल 01 लाख 74 हजार पौधों के रोपण के फलस्वरूप एक साथ वृहद स्तर पर इतनी बड़ी संख्या में पौधरोपण करने का जिले में एक नया अध्याय जुड़ गया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद भोजराज नाग एवं अन्य सभी अतिथियों के अलावा सभी वर्ग के लोगों ने बालोद जिला प्रशासन की इस अभिनव, जनकल्याणकारी एवं पुनीत कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं यादगार बताया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने माता श्रीमती कृष्णादेवी शर्मा, सांसद भोजराज नाग ने अपनी माता श्रीमती नूतन बाई नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी चन्द्राकर ने अपनी माता श्रीमती कलाबाई के अलावा कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने अपनी माता श्रीमती लिली यादवेन्द्र के नाम से पौधरोपण किया। इसी तरह कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अतिथियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों, गणमान्य जनों, मीडिया कर्मियों सहित आम नागरिकों ने भी अपने-अपने माँ के नाम से एक-एक पौधे का रोपण किया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए वृहद पैमाने पर पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित कर उसे सफलतापूर्वक अमलीजामा पहनाने का जो अभिनव कार्य किया गया है वह बहुत ही सराहनीय एवं प्रेरणादायी है। शर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम में सभी वर्गों के लोगों की सहभागिता के साथ-साथ हमारी माताओं और बहनों की सक्रिय भागीदारी बहुत ही काबिले-तारीफ है। उन्होंने कहा कि हमारे माताओं और बहनें जब कोई संकल्प ले लेती है, तो उस संकल्प को पूरा करके ही छोड़ती है।

कलेक्टर ने किया गढ़फूलझर का औचक निरीक्षण

मुख्यमंत्री द्वारा किए गए घोषणाओं के क्रियान्वयन की तैयारियों का लिया जायजा

महासमुंद। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा ग्राम गढ़फूलझर प्रवास के दौरान की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने शुक्रवार को ग्राम का दौरा किया। कलेक्टर द्वारा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति जानने के लिए निरंतर विभिन्न स्थलों का दौरा किया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने बसना विकासखंड के ग्राम गढ़फूलझर का औचक निरीक्षण किया और सितंबर माह तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणाओं और मांग पत्रों के तहत चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इनमें अधोसंरचना निर्माण कार्य, चौपाल निर्माण, सामुदायिक शौचालय, उद्यान विकास कार्य, तालाब सौंदर्यीकरण,सर्वजन उपयोगी मंगल भवन निर्माण जैसे कार्य शामिल रहे। कलेक्टर ने इन सभी कार्यों की गुणवत्ता की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की स्थिति की भी जानकारी ली तथा लाभार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के अवसर पर जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, तहसीलदार के. के. साहू, जनपद पंचायत पिथौरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीयूष ठाकुर, एसडीओ आरईएस बसना नयन प्रधान, आंचल चन्द्राकर, सुवर्धन प्रधान, हरजिन्दर सिंह, मुखेंदिर सिंह, सत्यराज सेवानी एवं इन्द्रजीत मेहर भी उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिव डॉ. प्रियंका शुक्ला ने ली योजनाओं की समीक्षा बैठक

विकास कार्यों में गति और प्रभावशीलता बढ़ाने पर दिया जोर

दंतेवाड़ा। जिले में शासन की प्रमुख योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु आज संयुक्त जिला कार्यालय के तृतीय तल स्थित सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिले की प्रभारी सचिव डॉ. प्रियंका शुक्ला ने की। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रमुख योजनाओं, उनके लक्ष्यों, प्राप्तियों और जमीनी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक की शुरुआत में डॉ. शुक्ला ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों, स्वीकृत आवासों, निर्माण प्रगति और पूर्णता की स्थिति का अवलोकन किया। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली और कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वॉयल हेल्थ कार्ड, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा मुख्यमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड योजना जैसी फ्लैगशिप योजनाओं की भी बारीकी से समीक्षा की।

डॉ. शुक्ला ने नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत मार्च 2024 तक स्थापित 22 नये कैंपो और इनसे जुड़े 86 लक्षित ग्रामों की स्थिति की जानकारी ली और निर्देशित किया कि इन क्षेत्रों में योजनाओं का सतत और समग्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जैविक खेती मिशन को लेकर भी विभागीय अधिकारियों से चर्चा की और किसानों को जागरूक करने की आवश्यकता जताई।प्रभारी सचिव ने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, अटल पेंशन योजना और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड पंजीयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि आयुष्मान योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का 'वय वंदना' योजना में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए और इसके लिए फील्ड स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक महिलाओं के बैंक खाते खोलने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों को प्राप्त हो सके।बैठक में जल जीवन मिशन के तहत सोलर ड्यूल पंप स्थापना कार्य, सौर सुजला योजना फेस-09 के तहत सिंचाई पंपों की स्थापना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम सूर्यघर योजना, धरती आबा योजना, स्वामित्व योजना और मोबाइल टावरों की स्थापना जैसे कार्यों की भी समीक्षा की गई। डॉ. शुक्ला ने विशेष रूप से ग्रामीण परिवहन सेवाओं को लेकर तैयार किए जा रहे प्रस्तावों की जानकारी ली और कहा कि दूरस्थ गांवों तक बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मलेरिया नियंत्रण के लिए फील्ड में जाकर जागरूकता और चिकित्सा कार्यों को और अधिक सघन करने के निर्देश दिए।

कांकेर प्रभारी होरा ने ली पदाधिकारियों की बैठक

कांकेर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी का संगठनात्मक मासिक समीक्षा एवं मंडल सेक्टर पुर्नगठन संबंधी महत्वपूर्ण बैठक आज रविवार, समय दोपहर 01:30 बजे राजीव भवन कांकेर में बैठक आहूत की गयी। उक्त बैठक में मंडल,सेक्टर पुर्नगठन संबंधी कांकेर जिला प्रभारी गुरुमुख सिंह होरा जी उपाध्याय छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं पूर्व विधायक धमतरी विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम के जिला प्रभारी होरा नें कहा कि जिला कार्यकारिणी, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों सहित मोर्चा संगठन के जिला अध्यक्षों की बैठक कर ब्लाकों में मंडल कमेटी के गठन हेतु सांसद/पूर्व सांसद प्रत्याशी, क्षेत्रीय विधायक / पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं वरिष्ठ नेताओं के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए उक्त मंडल एवं सेक्टर में जाकर गठन किया जावेगा साथ ही, मंडल कमेटियों के गठन में ब्लाक प्रभारियों के माध्यम से सतत् निगरानी भी रखेंगें। मंडल एवं सेक्टर कमेटी गठन में प्रक्रिया में उदयपुर नवसंकल्प शिविर में पारित प्रस्तावनुरूप अनुसूचित जाति, आदिवासी, पिछड़ा, अल्पसंख्यक व महिला वर्ग को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देते हुए 50 प्रतिशत पद व 50 वर्ष के कम आयु वर्ग के युवाओं तथा एक व्यक्ति एक पद को लागू किया जाना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में मती सावित्री मंडावी जी, विधायक भानुप्रतापपुर,बिरेश ठाकुर उपाध्याय प्रदेश कांग्रेस कमेटी, मती सुभद्रा सलाम जी, अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी एवं नरेश ठाकुर, नरेंद्र यादव, ठाकुर राम कश्यप, हेमंत ध्रुव, जनकनन्दन,तरेंद्र मंडावी,बाबा गढ़पाले,पुरुषोत्तम गजेंद्र, नवली मीणा मंडावी, नितिन पोटाई, गणेश सोनी अकरम कुरैशी, कांकेर जिला के समस्त प्रदेश पदाधिकारीगण वरिष्ठ कांग्रेस जन कांग्रेसजन,जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एन.एस.यू.आई. सेवा दल, किसान कांग्रेस, समस्त निर्वाचित जन प्रतिनिधिगण, पूर्व विधायकगण, पार्षद, पूर्व पार्षद, जिला पंचायत, जनपद पंचायत के सदस्य, आई.टी. सेल के पदाधिकारीगण सहित समस्त ब्लॉक अध्यक्ष अपने जोन प्रभारी, सेक्टर प्रभारी उपस्थित रहे ।

पीडीएस प्रणाली की समीक्षा बैठक सम्पन्न, शक्कर वितरण और ई-केव्हीसी को लेकर दिए गए निर्देश

बैठक में अधिकारियों द्वारा सभी पीडीएस विक्रेताओं को शासन द्वारा निर्धारित दरों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए

दंतेवाड़ा । कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार आज संयुक्त जिला कार्यालय भवन के भूतल स्थित सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) श्री मूलचंद चोपड़ा एवं जिला खाद्य अधिकारी श्री कीर्ति कौशिक ने संयुक्त रूप से की। इस बैठक में विकासखंड दंतेवाड़ा एवं कटेकल्याण के शासकीय उचित मूल्य दुकानों (शा. उ. मू.) के विक्रेताओं की उपस्थिति रही।

बैठक का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा करना और वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना था। बैठक में अधिकारियों द्वारा सभी पीडीएस विक्रेताओं को शासन द्वारा निर्धारित दरों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से शक्कर वितरण को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए कि कार्डधारकों को शक्कर का वितरण 17 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से ही किया जाए। यदि कोई विक्रेता इस निर्धारित दर से अधिक राशि वसूलता पाया गया, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि राशन कार्ड में शामिल सभी सदस्यों की ई-केव्हीसी की प्रक्रिया 31 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से पूरी की जाए। इसके लिए विक्रेताओं को घर-घर जाकर ई-केव्हीसी सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ बिना किसी व्यवधान के मिल सके।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने उपस्थित विक्रेताओं से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं भी सुनी और वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता से बचने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समय पर और पारदर्शिता से पहुँचना चाहिए, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें।

रुंगटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई में भव्य कार्यक्रम, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ गूगल इंडिया हेड होंगे शामिल

एक साथ 8183 युवाओं को हुनरमंद बनाकर रूंगटा यूनिवर्सिटी ने कायम कर दिया अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड, आज सीएम साय करेंगे घोषणा

भिलाई। प्रदेश के युवाओं को हुनरमंद बनाने की मुहिम 'विश्व कौशल महाकुंभ' के जरिए भिलाई की रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम कर दिया है। रूंगटा यूनिवर्सिटी ने सात दिनों में प्रदेश के 8183 युवाओं को ऑनलाइन मोड में ट्रेनिंग देकर कम्युनिकेशन स्किल, टाइम मैनेजमेंट, चैटजीपीटी, कॅरियर विकल्प, इंस्टाग्राम से कमाई और एमएस एक्सल में माहिर बनाया है। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि ऐसा पहली बार है जब किसी स्किल को सीखने के लिए 8183 युवा ऑनलाइन मीटिंग प्लेटफार्म जूम में एक साथ जुड़ गए। युवाओं को इन पांच विधाओं में माहिर बनाने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों के एक्सपर्ट्स ने ऑनलाइन कक्षाएं लीं। इस नए कीर्तिमान को 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में शामिल कर लिया गया है। रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी में इस वर्ल्ड रिकॉर्ड की घोषणा होगी। भव्य समारोह में ऑनलाइन ट्रेनिंग का हिस्सा बने इन युवाओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों प्रमाणपत्र वितरित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में गूगल के इंडिया हैड, आईबीएम के उच्च अधिकारी और ईसी काउंसिल के उपाध्यक्ष भी बतौर विशिष्ठ अतिथि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री रूंगटा यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन का उद्घाटन भी करेंगे।

ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम की घोषणा

रूंगटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के सम कुलपति डॉ. सौरभ रुंगटा ने बताया कि, शिक्षा को लेकर युवा वर्ग की अपेक्षाएं अब लोकल नहीं है, वहीं अब कंपनियां भी अपेक्षा करती हैं कि, युवा वैश्विक स्किल्स से लैस हो। ऐसे में युवा व कंपनी दोनों ही अपेक्षाओं को पूरा करने दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी गूगल, आईबीएम और इंटरनेशनल काउंसिल ऑफकंसलटेंट यानी ईसी काउंसलि के साथ ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम का आगाज रूंगटा यूनिवर्सिटी करने जा रही है। इससे रूंगटा यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को नई टेक्नोलॉजी सीखने मिलेगी। बता दें कि, ईसी काउंसलि साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम प्रदान करने वाला एक वैश्विक संगठन है। यह सर्टिफाइड एथिकल हैकर्स को प्रमाणित करता है। सूचना सुरक्षा पेशेवरों को आवश्यक कौशल और ज्ञान देना इस संगठन का मुख्य काम है।

रूंगटा यूनिवर्सिटी के प्रो-वीसी डॉ. मनीष मनोरिया ने बताया कि, मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए दुनिया का सबसे नामी संस्थान अमरीका का हार्वर्ड बिजनेस स्कूल है।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की खामियां दूर करने में जुटे जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी

जिला पंचायत बस्तर में शिक्षा समिति के सभापति हैं बलदेव मंडावी

जगदलपुर । बस्तर जिला पंचायत के उपाध्यक्ष व शिक्षा विभाग सभापति बलदेव मंडावी ने जिले में स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने पर फोकस करना शुरू कर दिया है। वे गांव गांव जाकर हालात का जायजा ले रहे हैं और कमियों को दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित कर रहे हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं सभापति बलदेव मंडावी एक जागरूक जनप्रतिनिधि हैं और जनहित में वे लगातार सक्रिय रहते हैं। वे स्वास्थ्य केंद्रों व स्कूलों में लगातार दबिश दे रहे हैं। मंडावी ने शुक्रवार एवं शनिवार को बकावंड और बास्तानार ब्लाक के अंदरूनी क्षेत्रों के उप स्वास्थ्य केंद्र व बालक बालिका आश्रमों का आकस्मिक निरीक्षण किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कापानार में डॉक्टर उपस्थित नहीं थे, केवल दो नर्सें उपस्थित थीं। स्टॉफ नर्स भगवती मंडावी व एएनएम सिल्विया एक्का ने उप स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी मंडावी को दी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी ने महिलाओं के सुरक्षित प्रसव, मौसमी बीमारियों की रोकथाम और समय पर स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित रहने के लिए जरूरी दिशा निर्देश दोनों नर्सों को दिए। वहीं मंडावी जब कापानार के दो आश्रमों में पहुंचे तो वहां अधीक्षक अनुपस्थित मिले। मंडावी में आश्रमों में मौजूद छात्राओं से बातचीत करते हुए प्राथमिक शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। उनसे गणवेश व पुस्तक वितरण, भोजन व्यवस्था आदि के बारे में पूछताछ की और विद्यार्थियों को आवश्यक खेल सामग्री के बारे में बताया गया।

बस्तर में माल गाड़ियों के लिए लाइन क्लियर,यात्रियों को 20 दिन से इंतजार है रेलवे के शार्ट टर्मिनेशन खत्म होने का

आम लोगों को हो रही परेशानी से किसी को नहीं कोई सरोकार।

जगदलपुर। 1 जुलाई को मल्लीगुड़ा और जड़ती स्टेशन के बीच भूस्खलन से 30 हजार धन लीटर मलबा बोल्डर रेल ट्रैक पर गिरा था। उसके बाद जिसे साफकरने में रेलवे को 4 दिन का समय लग गया। यहां तक तो ठीक है लेकिन उसके बाद रेलवे ने माल गाड़ियों का नियमित संचालन बस्तर से करना शुरु कर दिया। ये गाडियां बस्तर से लौह अयस्क ले कर निर्वाध विशाखापट्टनम की और दौड़ रही है। इनके लिए लाइन क्लियर है। अपने गंतव्य तक पहुंचने कहीं कोई दिक्कत नहीं है। वहीं दूसरी ओर बस्तर से छूटने वाली सभी यात्री गाड़ियों को शॉर्ट टर्मिनेशन बताते हुए उड़ीसा के कोरापुट से संचालित किया जा रहा है। पिछले 20 दिन से यह शार्ट टर्मिनेशन खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा। इसका नतीजा यह हुआ है कि यहां के लोगों को यात्री गाड़ियां पकड़ने के लिए कोरापुट जाना मजबूरी है। इसके लिए परेशानी के अलावा उन्हें अतिरिक्त खर्च भी करना पड़ रहा है। उधर ऐसा लग रहा है कि इस बड़े मुद्दे को लेकर रेलवे के अफसरों को कोई सरोकार नहीं रहा।

आटो रिक्शा से भी सफर करने की मजबूरी

जगदलपुर से जयपुर फिर कोरापुट तक लोग काफी मशक्कत के साथ पहुंच रहे हैं। जयपुर से कोई बस तो कोई आटो रिक्शा या जिसे जो भी साधन मिल रहे हैं उनके माध्यम से कोरापुट तक पहुंच रहे हैं। जगदलपुर के गीदम रोड निवासी ने बताया कि पहले मुश्किल से जयपुर पहुंचे हैं। वहां से फिर ऑटो रिक्शा लेकर कोरापुट तक पहुंच पाए हैं। उन्होंने बताया कि प्रति सवारी सौ रुपए ऑटो रिक्शा चालक को देने पड़े हैं। उल्लेखनीय है कि जयपुर के बाद कोरापुट तक पूरा घाट इलाका है। घाट इलाके में ऑटो रिक्शा से सफर करना काफी कष्ट प्रद है।

विशाखापट्टनम ही नहीं रांची तक जाते हैं लोग इलाज के लिए

दीगर कामों के अलावा काफी बड़ी संख्या में बस्तर और आसपास के लोग विशाखापट्टनम इलाज के लिए जाते हैं। विशाखापट्टनम ही नहीं काफी संख्या में लोग झारखंड के रांची भी ट्रीटमेंट के लिए आना जाना करते हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकलते ही अतिरिक्त आर्थिक बोझ झेलना पड़ रहा है। इधर रेलवे ने अभी 22 से 24 जुलाई तक शार्ट टर्मिनेशन की अवधि बढ़ाई हुई है।

यात्री गाड़ियों पर एक नजर

राउरकेला -- जगदलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस

भुवनेश्वर -- जगदलपुर हीराखंड एक्सप्रेस

हावड़ा --- जगदलपुर समलेश्वरी एक्सप्रेस

किरंदुल से विशाखापट्टनम -- किरंदुल नाइट एक्सप्रेस

विशाखापट्टनम -- किरंदुल पैसेंजर

कोरापुट से इन गाड़ियों का संचालन होने के कारण लोग हलाकान हो गए हैं। ऐसी स्थिति में बस्तर में रेल सुविधाएं बढ़ाने की बातें बेमानी लग रही हैं।

प्रभारी सचिव डॉ. प्रियंका शुक्ला ने ली स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान शासन की पहली प्राथमिकता, प्रभावी कार्ययोजना बनाकर करें काम

सुकमा। आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु जिला अस्पताल के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव भी उपस्थित थे। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख योजनाओं, उनके लक्ष्यों, प्राप्तियों और जमीनी कार्यों की विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में डॉ. प्रियंका शुक्ला ने कहा कि मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान राज्य शासन की प्राथमिकता में है और यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। मलेरिया को खत्म करने लिये शासन हर संभव प्रयास कर रही है। मलेरिया पैरासाइट को खत्म करने के लिए शत प्रतिशत जनसंख्या का स्क्रीनिंग करना अनिवार्य है। मलेरिया पॉजिटिव मरीज के ठीक हो जाने के बाद 1 महीने पश्चात फिर से उस मरीज का फॉलो अप करके ब्लड सैंपल लेकर जांच किया जाए की कहीं मलेरिया वापस तो नहीं आ गया। मलेरिया के अधिक प्रभाव वाले स्थानों में छिन्दगढ़ और कोंटा विकासखंड के गांव आते हैं तो वहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। फील्ड के अधिकारी और स्वास्थ्य कार्यकर्ता लगातार क्षेत्र का भ्रमण करें और बुखार से पीड़ित व्यक्ति का मलेरिया जांच भी करना सुनिश्चित करें। इस अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मलेरिया के लार्वा को खतम करने के लिए मलेरिया रोधी दवा का छिड़काव घरों और पानी के जमाव वाले स्थानों में करना सुनिश्चित करें।

हथियार बेचने के मालमे में फ्लिपकार्ट के तथा डिलीवरी करने वाले कुरियर कंपनी के 6 लोग गिरफ्तार

रायपुर । जिले की मंदिर हसौद थाना पुलिस ने घातक हथियार बेचने वाले ई कामर्स कंपनी तथा डिलिवरी करने वाले कुरीयर कंपनी के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि थाना मंदिर हसौद पुलिस ने अवैध रूप से हथियार रखनेके मामले में कुनाल तिवारी ऊर्फ लालू पिता नंदकुमार तिवारी उम्र 24 वर्ष निवासी राधकृष्ण मंदिर के पास बस स्टैण्ड अभनपुर जिला रायपुर तथा समीर टंडन पिता राजकुमार टंडन उम्र 22 वर्ष निवासी एलआईजी 163 दीनदयाल कालोनी गातापार थाना अभनपुर जिला रायपुर को गिरफ्तार था तथा उनके खिलाफ धारा 109, 103(1), 309(6), 3(5) बी.एन.एस. 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया था। प्रकरण में विवेचना के दौरान अरोपियों से पूछताछ करने पर पाया गया कि आरोपी कुनाल तिवारी द्वारा फ्लिप कार्ड ऑनलाईन शॉपिंग साईट के माध्यम से ऑनलाईन चाकू मंगवाया गया तथा आरोपियों द्वारा इसी चाकू से लूट, हत्या एवं हत्या का प्रयास जैसी गंभीर घटनाओं को अंजाम दिया गया। आरोपी कुनाल तिवारी के मोबाईल की जांच पर आरोपी द्वारा अपने मोबाईल नंबर से फ्लिप कार्ड

ऑनलाईन शॉपिंग साईट से ऑनलाईन चाकू मंगवाना पाये जाने के साथ ही अन्य दो चाकू को भी फ्लिपकार्ट के माध्यम से मंगवाना पाया गया। पूर्व में रायपुर पुलिस द्वारा मीटिंग एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम द्वारा पत्राचार के माध्यम से समस्त ऑनलाईन प्लेटफ ॉर्म के मैनेजरों एवं डिस्ट्रीब्यूटरों को ऐसा कोई भी घातक चाकू व हथियार डिलीवरी न किया जाये जिससे मानव जीवन पर संकट उत्पन्न हो, के संबंध में निर्देशित करने के बावजूद भी फ्लिपकार्ट एवं इलास्ट्रीक रन कोरियर के मैनेजर एवं कार्य करने वाले डिस्ट्रीब्यूटर व अन्य कर्मचारी द्वारा ऑनलाईन पार्सल में बारकोड के माध्यम से चाकू होने की जानकारी होते हुये भी उपेक्षापूर्वक ग्राहकों को चाकू डिलिवरी किया गया था, जिससे ग्राहक आरोपियों द्वारा ऑनलाईन मंगाये गये चाकू से कार्य कर मानव जीवन पर संकट उत्पन्न करते हुये थाना मंदिर हसौद व माना में लूट, हत्या एवं हत्या का प्रयास जैसी गंभीर घटनाओं को अंजाम दिया गया। घातक हथियार की सूचना देने के बावजूद भी लापरवाही पूर्वक मानव जीवन मे संकटा उत्पन्न करते हुये घातक हथियार चाकू को बिक्री जारी रखना एक गंभीर अपराध होने के साथ ही निर्देशों का उल्लंघन करना पाये जाने पर उक्त कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों के विरूद्ध थाना मंदिर हसौद में धारा 125(बी), 3(5) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना मंदिर हसौद पुलिस की टीम द्वारा प्रकरण में आरोपियों की पतासाजी करते हुये उक्त कंपनी के 06 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध कार्यवाही किया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान उक्त कंपनी के अन्य लोगों के संबंध में जांच जारी है, प्रकरण में जिसकी संलिप्तता होगी उसको भी गिरफ्तार कर कार्यवाही की जायेगी। मामले में पुलिस ने गुलरेज अली पिता स्व0 गुलेसर अली उम्र 42 वर्ष निवासी सीया रेसीडेंसी पचपेडी नाका रायपुर थाना टिकरापारा जिला रायपुर, मोहित कुमार पिता सतीश चंद उम्र 37 वर्ष निवासी ए-202 डालिलियन प्लाजा मोवा थाना पंडरी जिला रायपुर,अभिजीत गोस्वामी पिता अर्धेदु गोस्वामी उम्र 37 वर्ष निवासी कृष्णा गेस्ट हाऊस रूम नं. 106 नियर कृष्णा लैण्ड मार्क कोटा रायपुर, दिनेश कुमार पिता उत्तम साहू उम्र 32 वर्ष निवासी अमलेश्वर थाना अमलेश्वर जिला दुर्ग, हरीशंकर साहू पिता बलीराम साहू उम्र 28 वर्ष निवासी बकतरा थाना अभनपुर जिला रायपुर तथा आलोक साहू पिता सुखलाम्बर साहू उम्र 23 वर्ष निवासी लोधीपारा चौक के पास थाना पंडरी जिला रायपुर को गिरफ्तार किया है।

अभ्यर्थियों के लिए व्यापम ने जारी किए आवश्यक दिशा-निर्देश

जल संसाधन विभाग के उप अभियंता सिविल तथा विद्युत/यांत्रिकी की परीक्षा 20 जुलाई को

रायपुर । छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) रायपुर द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाने वाली परीक्षाओं हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने परीक्षाओं की समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा संचालन और अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। व्यापम द्वारा परीक्षा केंद्रों के लिए कड़े दिशा-निर्देश लागू किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता से बचा जा सके।

व्यापम द्वारा परीक्षा केन्द्र में अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए है- परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि

उनका फ्रिस्किंग (स्नद्धद्बह्यद्मद्बठ्ठद्द) एवं पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके।परीक्षा के समय से 15 मिनट पूर्व मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा, समय का विशेष ध्यान रखे। अभ्यर्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपडे पहनकर परीक्षा देने आये, फुटवियर में चप्पल पहनें, कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है, परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधे घंटे एवं परीक्षा समाप्ति के आखिरी आधे घंटे में, परीक्षा कक्ष से बाहर जाना वर्जित है 7 परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रानिक उपकरण, इलेक्ट्रानिक घडी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है, परीक्षार्थी प्रवेश पत्र के सभी पेज का प्रिंट आउट निकलवाएं और पेज के केवल एक तरफ प्रिंट करें, क्योंकि प्रत्येक परीक्षा हेतु व्यापम की प्रति परीक्षा केंद्र में जमा हो जाएगी। परीक्षार्थी को परीक्षा में प्रवेश हेतु प्रवेश पत्र के अलावा मतदाता परिचय पत्र/ड्राइविंग लाइसेंस /पेन कार्ड / आधार कार्ड, इसमें से कोई भी एक मूल पहचान पत्र जिसमें अभ्यर्थी का फोटो हो, परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

परम्परागत रूप से अब तक पुरूष प्रधान रहे

सेंटरिंग प्लेट आपूर्ति ने महिला समूहों को दिखाई नयी राह

रायपुर,(आरएनएस)। सेंटरिंग प्लेट का निर्माण परम्परागत रूप से पुरूष प्रधान रहा है, लेकिन अब रायगढ़ जिले की 100 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने लोन लेकर सेंटरिंग प्लेट निर्माण का कार्य शुरू किया है। ये कार्य महिलाओं को न केवल एक स्थिर आय का स्त्रोत प्रदान कर रहे है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में इनसे निमार्ण एवं विकास कार्य को गति मिली है, और महिलाएं भी आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हुई हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के सामूहिक विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान किया जाता है। रायगढ़ विकास खण्ड में लगभग 100 समूह की महिलाओं ने संकुल एवं ग्राम संगठन से सीआईएफ राशि के तहत 60 हजार रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक का लोन प्राप्त किया है।

छत्तीसगढ़ में विकास की अपार संभावनाओं को साकार करने के लिए सरकार दृढ़संकल्पित : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री 'छत्तीसगढ़ वॉच' के 15वें स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज रायपुर में आयोजित दैनिक छत्तीसगढ़ वॉच के 15वें स्थापना दिवस समारोह में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने समाचार पत्र की 15 वर्षों की पत्रकारिता यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ वॉच ने निरंतर स्थानीय मुद्दों और जनसरोकार से जुड़ी खबरों को प्राथमिकता दी है, जो एक सशक्त लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होता है। छत्तीसगढ़ वॉच ने बीते 15 वर्षों में शोषितों की आवाज़ को मुखर रूप से सामने लाने और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है। मुझे विश्वास है कि आगे भी यह अखबार इसी प्रतिबद्धता के

साथ कार्य करता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास की अपार संभावनाएँ हैं। राज्य खनिज संपदा से परिपूर्ण है–यहाँ आयरन ओर, कोयला, एल्युमिनियम, सोना, हीरा, टिन और लिथियम जैसे बहुमूल्य खनिज उपलब्ध हैं। प्रदेश का 44त्न भू-भाग वनों से आच्छादित है और मेहनतकश किसानों की उपस्थिति राज्य की शक्ति है। इन सबके साथ, छत्तीसगढ़ में बहुआयामी विकास की संभावनाएँ मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि बस्तर अंचल में विकास की सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद रही है, जिस पर अब हमारे सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं। जवानों ने माओवादी नेता बसवराजू जैसे शीर्ष नक्सली को निष्प्रभावी कर, नक्सलवाद की कमर तोड़ दी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बस्तर नक्सलमुक्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वहाँ निरंतर सुरक्षा कैंप खोले जा रहे हैं। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से 300 से अधिक गाँवों में शासन की योजनाएँ प्रभावी रूप से पहुँच रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि बस्तर ओलंपिक का आयोजन सफलतापूर्वक हुआ, जिसमें 1 लाख 65 हजार लोगों ने पंजीयन कराया। बस्तर पण्डुम का भी आयोजन किया गया, जिसमे लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार नक्सलियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील कर रही है, और इन प्रयासों के परिणामस्वरूप अब तक बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

(वैक्सीन प्रिवेंशन डिजीज) के लिए कार्य शाला सम्पन्न हुई

रायपुर, सीएमएचओ सभाकक्ष में आज कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देशानुसार सर्विलेंस मेडिकल ऑफिसर (SMO), डब्लू.एच.ओ रायपुर डॉ. नितीन पाटिल के द्वारा एक दिवसीय VPD सर्विलेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में खंड/शहरी चिकित्सा अधिकारी, शहरी/विकासखंड नोडल अधिकारी, बीपीएम, सी पी एम, बीईटीओ, सुपर वाइजर एवं जिला कार्यालय से जिला सांख्यिकी अधिकारी श्री दिलीप बंजारे जी उपस्थित रहें।

वैक्सीन प्रिवेंशन डिजीज अंतर्गत SMO के द्वारा, मिजिल्स रुबेला सर्विलेंस,FP, गलघोंटू, कुकुर खांसी, काली खासी, नवजात टेटनस, धनुषटंकार इत्यादि बीमारियों पर विस्तार से चर्चा की गई एवं सर्विलेंस के महत्व को समझाया गया। साथ ही टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल प्रभाव के बारे में जानकारी देते हुए एनाफिलेक्सिस और इसके किट के बारे में समझाया गया।

भाषा विज्ञानी डॉ. चित्तरंजन कर का 78वाँ जन्मदिन गीत संगीत के मध्य धूम-धाम से मनाया गया

रायपुर।

प्रदेश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार, भाषा विज्ञानी, गीतकार और संगीतज्ञ डॉ. चित्तरंजन कर के 78वें जन्म दिन के अवसर पर छत्तीसगढ़ के साहित्यकारों और संस्कृति-कर्मियों ने समारोहपूर्वक उनका अभिनंदन किया। साहित्यिक और संगीत संध्या के रूप में यह समारोह साहित्य भारती, छत्तीसगढ़ द्वारा राजधानी रायपुर के वृन्दावन सभागार में आयोजित किया गया। इस मौके पर ' एक शाम चित्तरंजन कर के नाम 'कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें डॉ. चित्तरंजन कर ने अपने गीतों, ग़ज़लों और भजनों की संगीतिक प्रस्तुति दी.मुख्य अतिथि की आसंदी से वरिष्ठ साहित्यकार और पूर्व आई. ए. एस. अधिकारी डॉ. सुशील त्रिवेदी ने समारोह को सम्बोधित किया. उन्होंने डॉ. चित्तरंजन के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें जन्म दिन की बधाई और शुभकामनाएँ दी.विगत सोलह जुलाई को आयोजित इस गरिमामय समारोह की अध्यक्षता बिलासपुर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.अजय पाठक ने की. उन्होंने भी डॉ. कर के लिए अपनी शुभेच्छा प्रकट की.विशेष अतिथि के रूप में साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष शशांक शर्मा, रायपुर के वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज और डॉ. माणिक विश्वकर्मा'नवरंग', और बिलासपुर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवधर महंत उपस्थित थे.प्रारंभ में हिंदी साहित्य भारती छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष बलदाऊराम साहू ने आयोजन के संदर्भ में प्रकाश डालते हुए स्वागत भाषण दिया। डा. कर की सुपुत्री डॉ.विभाषा मिश्र ने डा. चित्तरंजन कर का परिचय प्रस्तुत किया। समारोह में हिन्दी साहित्य भारती के अलावा समन्वय परिवार छत्तीसगढ़, संकेत साहित्य समिति , छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान , जय जोहार संस्थान तथा अन्य अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी किया।

सरकार के नीतिगत फैसलों ने बढ़ाया छत्तीसढ़ के किसानों का मान

साल दर साल बढ़ रहा है किसानों की संख्या, रकबा और उत्पादन

डॉ. ओम डहरिया, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के नीतिगत फैसलों एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के किसान खुशहाल हैं। इन नीतियों से प्रदेश के किसान निरंतर समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहे हैं। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य में सरकार बनते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश के पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 31 सौ रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदी कर न सिर्फ किसानों का मान बढ़ाया बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। राज्य सरकार ने बीते 18 महीने में विभिन्न योजनाओं के तहत् लगभग सवा लाख करोड़ रूपए किसानों के खाते में अंतरित की है। इन कल्याणकारी फैसलों और प्रोत्साहन से साल दर साल किसानों की

संख्या, खेती-किसानी का रकबा और उत्पादन में वृद्धि हो रही है। बता दें कि देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री साथ के नेतृत्त्व में प्रदेश सरकार की इन डेढ़ साल की अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीति गत फैसलों से खेती-किसानी की नया सम्बल मिला है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों से बीते खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक 24.75 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर 144.92 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी कर एक नया रिकार्ड कायम किया है। किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 32 हजार करोड रूपए का भुगतान एवं किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मूल्य की अंतर की राशि 13,320 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया था। इसी तरह खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में प्रदेश के किसानों से रिकार्ड 149.25 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी गई और धान खरीदी के एवज में किसानों को 34,500 करोड़ रूपए का तत्काल भुगतान किया गया तथा 12 हजार करोड़ रूपए की अंतर की राशि एकमुश्त सीधे किसानों के खातों में अंतरित किया गया। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वायदे को पूरा कर यह बता दिया है कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली और अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने का रास्ता खेती-किसानी से ही निकलेगा। राज्य सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी के साथ ही दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड रूपए का भुगतान करके अपना संकल्प पूरा किया, इससे प्रदेश के किसानों में खुशी की लहर है। किसानो का मानना है कि राज्य सरकार के फैसलों से यह स्पष्ट हो गया है कि सरकार किसानों की हितैषी है। खेती-किसानी ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। कृषि के क्षेत्र में सम्पन्नता से ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और विकसित राज्य बनाने का सपना साकार होगा। छत्तीसगढ़ में किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालीन कृषि ऋण 01 अप्रैल 2014 से उपलब्ध कराया जा रहा है।

सैनिकों की कलाई पर सजेगी छत्तीसगढ़ की राखी, बहनों ने भेजा स्नेह और सम्मान

रायपुर रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर महासमुंद की बहनों ने एक अनोखी मिसाल पेश की है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और महतारी वंदन योजना की लाभार्थी माताओं-बहनों ने अपने हाथों से राखियां बनाकर देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे वीर सैनिकों को भेजी हैं। इन राखियों के साथ बहनों ने भाव-भीनी पत्र भी भेजे हैं, जिनमें उन्होंने अपने वीर सैनिक भाइयों के प्रति प्यार, सम्मान और आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि इस रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जब देश के कोने-कोने से राखियां जाएंगी, तब महासमुंद की ये राखियां सैनिकों के लिए विशेष होंगी। क्योंकि इनमें न सिर्फ धागा है, बल्कि छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों का सच्चा स्नेह और सम्मान भी बंधा है।

महासमुंद शहरी सेक्टर 01 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती राखी

दुबे ने बताया कि यह सिर्फ एक राखी नहीं, बल्कि उस भरोसे का धागा है जो हमें अपने सैनिक भाइयों से जोड़ता है। बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल घर में नहीं, बल्कि सीमाओं पर तैनात जवानों के साथ भी मनाया जाना चाहिए, क्योंकि वही असली रक्षक हैं। जब सैनिकों की कलाई पर यह राखी बंधेगी, तो वे भी खुद को अपने परिवार से जुड़ा हुआ महसूस करेंगे।

इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद माखन पटेल, पूर्व पार्षद श्रीमती शोभा शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी टी. जटवार, पर्यवेक्षक श्रीमती शीला प्रधान, नगर पालिका की सीओ श्रीमती ममता बग्गा, आंगनबाड़ी सहायिका भानमती साहू, और वीणा महिला समिति की सदस्य श्रीमती सरला वर्मा, अनिता बिसेन सहित कई माताएं और बहनें शामिल रहीं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने इस पहल की सराहना की और कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र अब सिर्फ बच्चों की देख-रेख का स्थान नहीं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता, देश-प्रेम और संस्कारों का केंद्र बनते जा रहे हैं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

मोदी सरकार के प्रयासों से गरीबी होती दूर

मोदी सरकार के प्रयासों से देश की गरीबी होती दूर और नया भारत निर्माण भी हो रहा है। इसी का नतीजा है कि भारत देश में आजादी के वक्त जो कुछ गलतियां हुई थी वह आज सुधारी जा रही हैं।

साहसिक स्वीकारोक्ति, सच्चाई का सामना या आईना दिखाना कहें, या कुछ और लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा उसे सरकार के रुख के विपरीत तो कहा ही जा सकता है। उन्होंने जो कहा उसका साफ-साफ अभिप्राय- यही है कि देश में गरीबों की संख्या बढ़ रही है, अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब संयुक्त राष्ट्र के हवाले से कुछ समय पहले कहा गया था कि देश में 33 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। संघ और अपने गढ़ नागपुर में एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि धन का विकेंद्रीकरण जरूरी है। उन्होंने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित कई मुद्दों पर बात की।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा ,एक यक्ष प्रश्न?

अजय दीक्षित

भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में यह आम राय नहीं बन पा रही है कि पार्टी का अध्यक्ष कौन होगा। यह एक यक्ष प्रश्न है और किसी भी एक व्यक्ति के हाथ में नहीं है कि वह फैसला कर सके । लेकिन जिन नेताओं के नाम सामने आए हैं उनको भी यह नहीं पता कि उनका नाम कहां से आया है। इस गुत्थी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकारवाह

दत्तात्रेय होशवले सुलझाने में लगे हैं। इस पद का चयन 2029 लोकसभा चुनाव से भी जुड़ा है।एक मुद्दा यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 सितंबर को 75 वर्ष के होने वाले हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में संघ प्रचारक स्व मोरोपंत पिंगले के समारोह में बोलते हुए कहा था कि राजनीति में अवकाश की आयु सीमा तय होनी चाहिए।इस संदेश से भारतीय जनता पार्टी में हड़कंप मच गया है।इस संदेश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जोड़ा जा रहा है। ऐसा सुना जा रहा है कि लोकसभा सत्र से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव हो सकता है।

2024 में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा था कि अब हमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की जरूरत नहीं है। भारतीय जनता पार्टी सक्षम है लेकिन पार्टी के भीतर

संगठन मंत्रियों ने इस बयान को बचकाना माना था और किसी ने भी समर्थन नहीं किया था क्योंकि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही खंती विभाग प्रचारक रहे हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र सिंह, धर्मेंद्र प्रधान, शिवराज सिंह चौहान, राजनाथ सिंह, और कई मुख्यमंत्री संघ के बकायदा दायित्व वान कार्यकर्ता रहे हैं। और इन नेताओं के नाम ही अध्यक्ष पद के लिए आ रहे हैं। बताया जाता है कि अब की बार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपने स्तर पर मुख्यमंत्रियों से भी राय ले रहा है।संघ ने दत्तात्रेय होसबोले को राय देने की जिम्मेदारी दे रखी है। भारतीय जनता पार्टी चाहती है कि दक्षिण भारत से कोई नाम अंतिम दौर में पहुंचे । महिला के तौर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आंध्र प्रदेश से मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की साली और एन टी रामाराव की पुत्री भाजपा नेत्री, केंद्रीय मंत्री पुरुदनरी का नाम भी शामिल है। लेकिन उत्तर भारत से हिंदी पट्टी से भी नाम पर सहमति बन सकती है।

भारतीय जनता पार्टी संजय जोशी के नाम को लेकर असमंजस में है वे केंद्रीय संगठन महासचिव भी उस समय रहे हैं जब स्व अटल बिहारी वाजपेई प्रधानमंत्री थे । संजय जोशी भी गुजरात से आते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संजय जोशी के बजाय बी अल संतोष के नाम को आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं।संतोष भी वर्तमान में केंद्रीय संगठन महासचिव है। और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक रहे हैं, दक्षिण भारत से भी है। लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर कोई बड़ा व्यक्तिव आसीन होने वाला है यह तय है।जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पसंद का भी हो सकता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बन

ना बड़ी जिम्मेदारी है। उत्तराखंड,दिल्ली, हरियाणा महाराष्ट्र गोवा ओड़िशा मेघालय मिजोरम नागालैंड त्रिपुरा मणिपुर, मप्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश,असम,में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जबकि आंध्र प्रदेश, बिहार, एनडीए सरकार है। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद पर चुनाव तीन साल के लिए होता है और दो कार्यकाल से अधिक कोई भी चुना नहीं जा सकता है। अब तक अटल बिहारी वाजपेई ही ऐसे नेता रहे हैं जो जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के लगभग आठ साल अध्यक्ष रहे हैं। उसके लालकृष्ण आडवाणी 4, वर्ष अध्यक्ष रहे। राजनाथ सिंह दो बार अलग अलग समय पर इस पद पर चुने गए हैं।

यह निजी विचार है।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

डॉ. मनसुख मांडविया

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है।

लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है। यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने %नशा मुक्त भारत अभियान% की शुरुआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं।

भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में मेरा भारत ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19 से 20 जुलाई तक %युवा आध्यात्मिक समिट% का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा %नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत%। वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए।

इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज़ को सरकार और नीति निर्माताओं तक पहुँचा सकेंगे।

इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा मेरा भारत के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें।

अंत में एक %काशी डिक्लेरेशन% जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं। उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला %युवा आध्यात्मिक समिट% इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा। यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा। साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक ज़िम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा। काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

(लेखक केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार)

हिंदी भाषा का वैश्विक जनाधार, हिंदी पर आधारित वैश्विक बाजार

वर्तमान में हिंदी भाषा वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद और व्यवसाय बड़ा माध्यम हो गई है और वैश्विक स्तर पर हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज़ चैनल में न्यूज़ एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं। और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में 141करोड़ उपभोक्ता की उपस्थिति में विशुद्ध हिंदी का प्रयोग करना थोड़ा कठिन हो जाता है।जैसे हम टी,वी, को दूरदर्शन नहीं कहते, इंटरनेट को इंटरनेट ही लिखा जाता है, अंतरजाल नहीं लिखा जाता ।यह जितनी अंग्रेजी की शब्दावली हिंदी में जुड़ी हुई है,यह संचार माध्यम टी,वी व्हाट्सएप,फेसबुक,ट्विटर, इंटरनेट सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के बाजार वाद के कारण जुड़े हुए हैं।

हिंदुस्तान में लगभग 141 करोड़ उपभोक्ता निवास करते हैं, और उन तक पहुंचने के लिए हिंदी का प्रयोग अंग्रेजी तथा उर्दू की मिलावट के साथ किया जाता है। वैश्विक स्तर पर भी देखा जाए तो हिंदुस्तानी मूल के लोग श्रीलंका,मॉरीशस,फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया,न्यू जीलैंड, साउथ अफ्रीका में फैले हुए हैं। ऐसे में हिंदी का वैश्विक विस्तार अपने आप हिंदी भारतीय अप्रवासी, प्रवासी भारतीय लोगों के माध्यम से होने लगता है।फिर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रॉंस, इटली, जापान,चाइना इनके उत्पादक को भारत के उपभोक्ताओं के बीच बेचने के लिए उन्हें हिंदी की आवश्यकता होती है, भारत एक शक्तिशाली उपभोक्ता बाजार है। एक साथ एक ही जगह इतने ग्राहक मिलना किसी अन्य देश में असंभव है। इन परिस्थितियों में विश्व का हर देश अपने बनाए गए उत्पादन का बाजार खोजने भारत की ओर खिंचा चलाआता है। और हिंदी को माध्यम बनाकर वह अपना माल बेचना शुरू करता है। और इसके लिए टी,वी, इंटरनेट, कंप्यूटर,व्हाट्सएप तथा फेसबुक में हिंदी में विज्ञापन देकर उसका प्रचार प्रसार करता है। विज्ञापनों में हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार और प्रसार वैश्विक स्तर पर होने लगा है।

डॉक्टर जयंती प्रसाद नौटियाल ने भाषा शोध अध्ययन 2012 में यह दावा किया है कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। हिंदी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का उपयोग करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने का निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारत में प्रत्येक पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में व्यापक स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली चलेगी ग्राम पंचायत तक मनाया जाता है इसके इतर 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस भी मनाया जाता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। वैसे भी अंग्रेजों के आगमन के पूर्व हिंदी देवनागरी लिपि में उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश होता रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद इसने अंग्रेजी शब्दों को भी आत्मसात किया। हिंदी एक विशाल हृदय की विशाल भाषा है। इसमें अन्य भाषा के अपभ्रंश आने से हिंदी कभी मूल रूप से दिग्भ्रमित या विकृत नहीं हो पाई है। यही वजह है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर धीरे-धीरे विस्तारित, प्रचारित एवं प्रसारित होती जा रही है। वर्तमान में विश्व में लगभग 45 करोड़ से अधिक लोग हिंदी भाषा बोलते हैं, इसकी सरलता विश्व के लोगों को प्रभावित करती जा रही है, भारत के विद्वानों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, कवियों, फिल्मी गीत कारों के प्रयासों से हिंदी ने वैश्विक रूप लिया है। हिंदी को वैश्विक रूप से उपभोक्ताओं से जोड़ने के लिए फिल्म निर्माताओं गीतकार एवं संगीत, गानों का भी बड़ा योगदान रहा है। हिंदुस्तान में बनी फिल्म को विदेशों में रह रहे भारतीय तथा अन्य भाषाई लोग उसके गीतों तथा उसके संवाद के कारण उस फिल्म को देखने जाते हैं, जिससे सीधे-सीधे भारतीय फिल्मकारों को विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है। इस तरह उपभोक्तावाद, बाजारवाद के नजरिए से देखें तो हिंदुस्तानी उपभोक्ताओं का बहुत बड़ा बाजार वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है। जिससे हिंदी भाषा न सिर्फबाजारवाद की भाषा बनी है, बल्कि साहित्यिक रूप से भी गीत, ग़ज़ल और गानों के रूप में समृद्ध हुई है। वर्तमान में हिंदी न सिर्फहिंदुस्तान में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होती जा रही है। भारत में हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए 14 सितंबर को हिंदी दिवस मना कर एवं वैश्विक स्तर पर विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाता रहा है। इस संदर्भ में पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने कहा कि हिंदी के प्रचार प्रसार तथा विस्तार को कोई भाषा रोक नहीं सकती है। हिंदी भारत की एकमात्र ऐसी भाषा है, जिसके माध्यम से भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न भाषा वासी लोग आपस में अपने विचारों का आदान-प्रदान सकते हैं। एनी बेसेंट ने हिंदी भाषा को लेकर काफी सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं मैं जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह हिंदी है। वह व्यक्ति जो हिंदी जानता है पूरे भारत में किसी भी प्रांत की यात्रा कर सकता है और हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। अब तो बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने उत्पादों का प्रचार प्रसार पूर्णता हिंदी में करना शुरू कर दिया। इसी तारतम्य में यदि यह कहा जाए कि हिंदी वैश्विक बाजार वाद या उपभोक्तावाद की सबसे बड़ी एवं सशक्त भाषा बन गई है, तो यह अतिरेक नहीं होगा। अंग्रेजी जरूर अंतर राष्ट्रीय भाषा है,पर हिंदी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बोले जाने वाली द्वितीय भाषा तो जरूर है ही, एवं उपभोक्ताओं के लिए यह प्रथम स्थान रखती है।भारत में हिंदी भाषा सभी प्रांतों सभी राज्यों को एकता के सूत्र में पिरोने वाली एक मातृभाषा स्थापित रूप से है। इसीलिए इसे राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा का वास्तविक सम्मान दिए जाने की आवश्यकता है।

संजीव ठाकुर,
स्तंभकार, स्वतंत्र टिप्पणीकार, चिंतक, लेखक
यह निजी विचार है।

अंधविश्वास की भट्ठी में झुलसती मानवता

अवनीश कुमार गुप्ता

वही क्षण था जब चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर भारत का झंडा स्थापित कर विज्ञान की नई ऊंचाइयों को छू लिया, लेकिन उसी समय भारत के ही एक गांव में कुछ लोगों ने एक परिवार के पांच सदस्यों को 'डायन' कह कर जिंदा जला दिया।

ये दो घटनाएं किसी कल्पना की उपज नहीं, बल्कि हमारे समय और समाज की दो परस्पर विरोधी सच्चाइयों का आईना हैं। एक ओर अंतरिक्ष में विजय तो दूसरी ओर अंधविास की भट्ठी में झुलसती मानवता।

बिहार के पूर्णिया जिले के टेटगामा गांव में तीन महिलाओं और दो पुरु षों को 'डायन' बता कर पीटा गया और पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया गया। इस अमानवीय कृत्य में लगभग 150 लोगों की भीड़ शामिल थी। यह केवल हत्या नहीं, बल्कि उस तार्किक चेतना की हार थी जो हमारी संस्कृति और संविधान, दोनों में प्रतिष्ठित है। यह घटना एक गांव या राज्य की समस्या नहीं, उस सोच का परिणाम है जहां विज्ञान का दीपक जलाए बिना ही हम आधुनिक बनने का भ्रम पालते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2000 से 2016 तक बिहार में 2,500 से अधिक डायन-हत्या की घटनाएं हो चुकी हैं। यह आंकड़ा केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि सवाल है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं?

क्या तकनीक की प्रगति का लाभ चंद महानगरों और उच्च वर्ग तक ही सीमित रहेगा? क्या गांवों तक वैज्ञानिक सोच, संवेदनशीलता और मानवाधिकारों की चेतना पहुंची है? या फिर आधुनिकता मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा तक ही सिमट गई है? यह घटना न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि संविधान और कानून की विफलता भी है। जब पूरा गांव एक अमानवीय कृत्य में शामिल हो, और पुलिस-प्रशासन निष्क्रिय बना रहे, तो सवाल उठता है कि लोकतंत्र के स्तंभ क्या चुनावों और भाषणों तक सीमित रह गए हैं? पुलिस की निष्क्रियता और प्रशासन की उदासीनता इस पूरे तंत्र पर गहरी चोट है, जो दिखाती है कि संवैधानिक ढांचे के भीतर भी बहुत सी दरारें हैं, जिन्हें भरने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं, पूरे समाज की है।

हमारे पूर्वजों की परंपरा में तर्क, विज्ञान और विवेक का बहुत महत्व था। आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक, सुश्रुत जैसे नाम केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक परंपरा की नींव थे। लेकिन क्या आज उनके विचारों की छाया हमारे गांव-कस्बों तक पहुंची है? किसी महिला के बीमार हो जाने पर भी उसका इलाज अस्पताल में कराने की बजाय उसे डायन कह कर जलाया जाता है, तो इसका मतलब है कि हमारा समाज अतीत के किसी अंधेरे कुएं में जा गिरा है।

मीडिया की भूमिका भी इस पूरे विमर्श में संदिग्ध है। आज की मीडिया सिर्फ सनसनी पर केंद्रत है। घटना की संवेदनशीलता को समझने के बजाय वे इसे टीआरपी की दौड़ में बदल देते हैं। क्या कोई समाचार संस्था बताती है कि इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या वे समाज को इस ओर मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं कि अंधविास, अज्ञानता और पाखंड का समूल नाश हो? नहीं। वे केवल क्लिप बनाते हैं, भावनाएं भड़काते हैं, पर कोई वैचारिक आंदोलन नहीं चलाते। ऐसी घटनाओं में भीड़तंत्र को तो जिम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए लेकिन उससे भी अधिक जिम्मेदार हैं वे संस्थाएं जो समाज को दिशा देने के लिए बनी हैं-शिक्षा संस्थान, धार्मिक संगठन, पंचायतें और प्रशासनिक तंत्र। अगर इन सबकी चुप्पी किसी एक क्रिया को संभव बनाती है, तो वह केवल सह-अपराध नहीं, बल्कि मानसिक अपराध भी है।

टीवी चैनल केवल सास-बहू के ड्रामे दिखाने की बजाय 'डायन प्रथा खत्म करो' जैसे अभियान को प्राथमिकता दें। पंचायतों में हर महीने तर्क आधारित संवाद हों। स्कूलों में छात्रों को परीक्षा की तैयारी नहीं, सामाजिक चेतना का पाठ भी पढ़ाया जाए। सनातन परंपरा का मूल तत्व ही है करु णा, विवेक और ज्ञान। यदि समाज में धर्म के नाम पर ही हिंसा होती है, तो वह धर्म नहीं, अधर्म है। हमें सनातन के उन मूल्यों की पुन- स्थापना करनी होगी जो हर जीव में आत्मा का दर्शन कराते हैं, न कि उसे जला देते हैं। जब चंद्रयान-3 भारत की तकनीकी क्षमता का प्रतीक बन कर चांद पर उतरता है, तो उसके साथ भारत की आत्मा भी आसमान छूने की आकांक्षा करती है।

लेकिन जब किसी गांव में एक महिला को डायन कह कर जिंदा जलाया जाता है, तो वह आत्मा चीत्कार करती है। यह हमारे समय का विरोधाभास है-एक ओर विज्ञान, दूसरी ओर अंधविास; एक ओर अंतरिक्ष में सफलता, दूसरी ओर सामाजिक अधपतन। भारत का भविष्य तभी सुरक्षित होगा जब विज्ञान और विवेक का उजाला हर गांव, घर और मन में पहुंचेगा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' केवल श्लोक नहीं, सामाजिक अभियान होना चाहिए-अज्ञान से ज्ञान, अंधकार से प्रकाश, हिंसा से करु णा, और भीड़ से विचार की ओर। तभी हम सच्चे अथरे में मानवता-सम्मत भारत बना सकेंगे।

केंद्र के छात्र : अंतरिक्ष दिवस वैज्ञानिक जिज्ञासा जगाएगा और देश भर के युवाओं को प्रेरित करेगा

अतीत और भविष्य का सेतु: भारत पारंपरिक खगोल विज्ञान का सम्मान करते हुए और आधुनिक अंतरिक्ष उपलब्धियों का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाएगा

पीआईबी

एक महत्वपूर्ण अंतर-मंत्रालयी पहल के तहत, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने 23 अगस्त 2025 को आयोजित होने वाले आगामी राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने हेतु केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ एक संयुक्त बैठक बुलाई।

बैठक का उद्देश्य छात्रों, वैज्ञानिक समुदायों और आम जनता को भारत की उल्लेखनीय अंतरिक्ष यात्रा का जश्न मनाने तथा पारंपरिक खगोल विज्ञान की समृद्ध विरासत को श्रद्धांजलि देने के लिए एक समन्वित रणनीति विकसित करना था।

इस बैठक में वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और विचारकों की उपस्थिति ने गरिमा प्रदान की। इनमें संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री विवेक अग्रवाल; भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद; इसरो के अध्यक्ष श्री वी. नारायणन; राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र संग्रहालय के महानिदेशक श्री ए.डी. चौधरी; और आईजीएनसीए के सदस्य सचिव श्री सच्चिदानंद जोशी शामिल थे। उनकी भागीदारी ने चर्चाओं को गहनता और परिप्रेक्ष्य प्रदान

किया, जिससे आगामी राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के लिए एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित हुआ। उनकी सामूहिक अंतर्दृष्टि ने सांस्कृतिक विरासत को अत्याधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करने की एक दूरदर्शी योजना को आकार देने में मदद की।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारतीय वैज्ञानिक उत्कृष्टता की निरंतरता पर ज़ोर देते हुए कहा, ÷अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्र में भारत कोई नया देश नहीं है। हमारे पूर्वजों को खगोल विज्ञान की गहरी समझ थी और आज हमारी गिनती वैश्विक अंतरिक्ष शक्तियों में होती है।÷

विचार-विमर्श भारत के खगोल विज्ञान के पूर्वजों के ज्ञान को उसकी समकालीन अंतरिक्ष प्रगति से जोड़ने पर केंद्रित था। प्रतिभागियों ने कहा कि भारत की प्राचीन आकाश-मानचित्रण परंपराएँ आज की वैज्ञानिक सोच की सांस्कृतिक रीढ़ हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा संस्कृति मंत्रालय, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक नवाचार के इस अनूठे मिश्रण को प्रदर्शित करने वाले प्रदर्शनियों, शैक्षिक सामग्री और आउटरीच कार्यक्रमों को तैयार करने के लिए सहयोग करेंगे। युवा मस्तिष्क की शक्ति को पहचानते हुए, मंत्रियों ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस को छात्रों के नेतृत्व वाली पहल बनाने की प्रतिबद्धता जताई। योजनाओं में विज्ञान मेले, इसरो वैज्ञानिकों के साथ संवाद सत्र, तारामंडल शो और स्कूलों व कॉलेजों में प्रतियोगिताएँ शामिल हैं।

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा, ÷हमें कम उम्र से ही वैज्ञानिक भावना विकसित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हमारे युवाओं को भविष्य के अंतरिक्ष यात्री, इंजीनियर और नवप्रवर्तक बनने के लिए प्रेरित करेगा।÷ डॉ. जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के नागरिक-केंद्रित अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला और इसे राष्ट्रीय विकास और रोज़मर्रा की सुविधा के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में स्थापित किया। उन्होंने यह दिखाने की आवश्यकता पर बल दिया कि कैसे अंतरिक्ष-आधारित समाधान पहले से ही देश भर में लाखों लोगों के जीवन को बदल रहे हैं। संपत्ति सत्यापन के लिए उपग्रह चित्रों का उपयोग करके स्वामित्व भूमि-मानचित्रण से लेकर आपदा चेतावनी प्रणालियों और वास्तविक समय मौसम पूर्वानुमान तक, जो तैयारियों को बढ़ाते हैं, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अमूल्य साबित हो रही है। इसके अतिरिक्त, यह दूरस्थ क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओं का समर्थन करती है और कृषि निगरानी और सटीक खेती को सक्षम बनाती है, जिससे ग्रामीण सशक्तिकरण और कुशल संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

महाराष्ट्र के मुंबई में भारी बारिश के दौरान बाढ़ग्रस्त अंधेरी सबवे पर एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी।

जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले पुराने रास्ते पर भूस्खलन के बाद बचाव अभियान जारी है। त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा कस्बे में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ।

हथकरघा क्षेत्र में उत्कृष्टता का सम्मान

पीआईबी

11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह के दौरान इस वर्ष 7 अगस्त को माननीय राष्ट्रपति द्वारा ये पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह सहित गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

हथकरघा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 5 संत कबीर पुरस्कार और 19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार सहित कुल 24 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। हथकरघा क्षेत्र में हथकरघा बुनकरों, डिज़ाइनरों, विपणक, स्टार्ट-अप उद्यमों और उत्पादक कंपनियों के उत्कृष्ट योगदान के लिए, वस्त्र मंत्रालय को 2024 के लिए प्रतिष्ठित संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। ये पुरस्कार राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत हथकरघा विपणन सहायता (एचएमए) का हिस्सा हैं। इस वर्ष, हथकरघा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 5 संत कबीर पुरस्कार और 19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कारों सहित कुल 24 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। ये पुरस्कार 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह के दौरान माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाएँगे।

केवल रिर्पोट पर निर्भर न रहें, निचले स्तर पर जाकर योजनाओं का क्रियान्वयन देखें-श्री डेका

प्रधानमंत्री जनमन योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की राज्यपाल ने

रायपुर, लोकशक्ति। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज राजभवन में प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (प्रधानमंत्री जनमन योजना) के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे केवल फील्ड रिर्पोट पर निर्भर न रहें बल्कि निचले स्तर पर जाकर योजनाओं का क्रियान्वयन देखें।

राज्यपाल श्री डेका ने प्रदेश के पीएम जनमन क्षेत्रों में विभिन्न विभागों के कार्यो की समीक्षा की और संचालित कार्यो की जमीनी हकीकत देखने के लिए इन ग्रामों का दौरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजना का मूल उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातियों को केन्द्र द्वारा तय सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। इन वर्गो तक मूलभूत सुविधाएं शिक्षा, स्वास्थ्य,

सड़क आदि देना पहली प्राथमिकता है। जो योजनाएं संचालित है वे तय समय पर पूर्ण हो जाएं। पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में सुविधाएं पहुंचे इसके लिए सही एप्रोच जरूरी है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के सहयोग और समन्वय से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव एवं सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्री डेका ने निर्देश दिया कि सतत् विकास की प्रक्रिया मे पर्यावरण को अनदेखा न किया जाए। जो विकास के कार्य हो रहे है, उसमें पेड़ों को बचाकर रखा जाए। उन्होंने कहा कि पानी को लेकर गंभीर होना है। जमीनी जल स्तर और वर्षा का मापन करे और उसके अनुसार योजनाएं बनाएं। रेन वाटर हार्वेस्टिंग को प्राथमिकता दे। सौर विद्युतीकरण की प्रगति पर उन्होंने असंतोष जताया और कहा कि इस क्षेत्र में जो चुनौतियां है उसका सभी मिलकर निराकरण करेंगे।

बैठक मे राज्यपाल श्री डेका ने पीएम जनमन क्षेत्रों में आंगनबाड़ी निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि आंगनबाड़ीयों में लाइवलीहुड के लिए कार्य होना चाहिए। उन्होंने राज्य में स्व सहायता समूहों के गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में भी नवाचार को प्रोत्साहित करे। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में नवाचार करने वाले स्व सहायता समूहों को राजभवन द्वारा भी पुरूस्कृत किया जाएगा।

अवसंरचना में वृद्धि से राष्ट्रीय जलमार्गों पर क्रूज पर्यटन को बढ़ावा

2024-25 में राष्ट्रीय जलमार्गों में 19.4 प्रतिशत की वृद्धि;

क्रूज़ भारत मिशन के तहत 2027 तक 14 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 51 नए क्रूज़ सर्किट की योजना

पीआईबी

भारत में रिवर क्रूज पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर रिवर क्रूज यात्राओं की संख्या 2023-24 में 371 से बढ़कर 2024-25 में 443 हो गई है। यह 19.4 प्रतिशत की वृद्धि भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों में रिवर क्रूज के बढ़ते आकर्षण और प्रचालनगत दक्षता को रेखांकित करती है।

वृद्धि की इस गति को और बढ़ाते हुए, वाइकिंग क्रूज़ ने भारत के रिवर क्रूज़ बाज़ार में वाइकिंग ब्रह्मपुत्र के साथ प्रवेश की घोषणा की है। 80-अतिथि पोत का प्रचालन 2027 के अंत में शुरू होने वाला है, जो भारत के रिवर क्रूज़ पर्यटन क्षेत्र में बढ़ती रुचि और निवेश का संकेत है। कोलकाता स्थित हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया जाने वाला वाइकिंग ब्रह्मपुत्र, राष्ट्रीय जलमार्ग-2 पर प्रचालित होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन और पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल के मार्गदर्शन के अनुरूप, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) भारत में रिवर क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने और टिकाऊ जल परिवहन प्रणाली विकसित करने की दिशा में कदम उठा रहा है।

पिछले 11 वर्षों में इस सेक्टर में असाधारण वृद्धि

देखी गई है। 2013-14 में तीन जलमार्गों पर केवल पांच जहाजों की तुलना में रिवर क्रूज़ प्रचालन 2024-25 में 13 राष्ट्रीय जलमार्गों पर 25 जहाजों तक विस्तारित हो गया है। यह वृद्धि राष्ट्रीय जलमार्गों पर नौवहन सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत आईडब्ल्यूएआई के सक्रिय प्रयासों के कारण हुई है। आईडब्ल्यूएआई ने टर्मिनलों, तटवर्ती और अपतटीय सुविधाओं का विकास करके, जलमार्गों में पर्याप्त गहराई सुनिश्चित करके, और 24 घंटे नौवहन सहायता और पायलट सेवाएं प्रदान करके रिवर क्रूज़ जहाजों के लिए सुगम और सुरक्षित नौवहन की सुविधा प्रदान की है। इन उपायों ने सामूहिक रूप से यात्री अनुभव को बेहतर बनाया है, प्रचालनगत लॉजिस्टिक्स में सुधार किया है और संचालकों का विश्वास बढ़ाया है, जिससे इस क्षेत्र के विकास में योगदान मिला है।

उल्लेखनीय है कि जनवरी 2023 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किए गए एमवी गंगा विलास ने वाराणसी से डिब्रूगढ़ तक दुनिया की सबसे लंबी नदी यात्रा की, जिसमें पांच भारतीय राज्यों और बांग्लादेश की 27 नदी प्रणालियों से होकर 3,200 किलोमीटर की दूरी तय की गई। इस ऐतिहासिक यात्रा को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह मिली। पश्चिम बंगाल में सुंदरबन, असम में ब्रह्मपुत्र और केरल में अलप्पुझा जैसे अन्य लोकप्रिय क्रूज सर्किट भी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

आईडब्ल्यूएआई की योजना 2027 तक 14 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 47 राष्ट्रीय जलमार्गों पर 51 नए रिवर क्रूज सर्किट विकसित करने की है। क्रूज़ भारत मिशन की शुरुआत के साथ, सरकार का लक्ष्य रिवर क्रूज यात्रियों की संख्या 5 लाख से बढ़ाकर 15 लाख करना है। यह मिशन आने वाले दो वर्षों में क्रूज टर्मिनलों, बंदरगाहों और संबंधित बुनियादी ढाँचे के उन्नयन, पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने और क्रूज उद्योग में रोज़गार के अनगिनत अवसर पैदा करने पर केंद्रित है।

आईडब्ल्यूएआई ने हाल ही में राष्ट्रीय जलमार्गों पर क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई राज्य सरकारों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें नर्मदा रिवर पर क्रूज पर्यटन के लिए गुजरात और मध्य प्रदेश सरकारों के साथ साझेदारी, यमुना रिवर पर नौकाओं और क्रूज के प्रचालन के लिए दिल्ली सरकार के साथ साझेदारी तथा झेलम, रावी और चिनाब नदियों पर स्थायी पर्यटन के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ साझेदारी शामिल है।

इसके अतिरिक्त, आईडब्ल्यूएआई गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों पर समर्पित क्रूज़ टर्मिनल विकसित कर रहा है, जिनमें से तीन टर्मिनल वाराणसी, गुवाहाटी, कोलकाता और पटना में बनाए जाने की योजना है। पूर्वोत्तर में, सिलघाट, विश्वनाथ घाट, नेमाटी और गुइजान में चार और क्रूज़ टर्मिनल 2027 तक विकसित किए जाने का प्रस्ताव है।

शारदीय दुर्गा उत्सव समिति की कार्यकारिणी का गठित की गई

लोकशक्ति । रायपुर

श्री श्री दुर्गा एवं लक्ष्मी पूजा कमेटी डब्लू आर एस कॉलोनी 2025 के पूजा के लिए कार्य समिति की बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया 2025 शारदीय दुर्गा उत्सव समिति की कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें निम्न कार्यकारिणी का चयन किया गया

अध्यक्ष सोमेन चटर्जी

सचिव - पीयूष शीट। कोषाध्यक्ष विश्वजीत कर्मकार ।

कार्यकारी अध्यक्ष शांतनु गोस्वामी, गौतम राय, मनोज आचार्य, विनायक दास

उपसचिव उमेश देवनाथ, सुभाजित घोष, उत्तम राय

सह सचिव सुशांत दास, दिलीप साना

इंटीरियर डेकोरेटर - सुशांत दे, किशोर दास, अनीश नाग, पूजा इंचार्ज तोमल भुइयां, शुभाशीष मुखर्जी, सागर बेहरा, किसनंदू मंडल , पूजा अपीयर कमेटी मुक्त मुखर्जी, सोम मुखर्जी, राम बनर्जी, अनामिका मुखर्जी, रश्मि आचार्य, शुक्ला गोस्वामी

भोग प्रसाद डिस्ट्रीब्यूटर - शुभम चटर्जी, अभिषेक शीट, आकाश मुखर्जी, अनुज कुमार,आदित्य राव, जयेश सरकार, देवांश मुखर्जी, रजत आचार्य, आदित्य मजूमदार, ऋषभ राय, अमन सरकार, अमर देवनाथ, नितिन राय, शुभ्रा गोस्वामी, सुजल घोष, साहिल घोष एवं भारत स्काउट एवं गाइड

कल्चरल सेक्रेटरी - संजय सिंह, तुली दास,

कल्चरल मैनेजमेंट - पामेला बनर्जी, वंदना मुखर्जी, सपना शीट, साथी चटर्जी, अपर्णा राय, प्रीति दास, सोम गोस्वामी, पायल भुइयां, प्रेरणा चटर्जी

पंडाल मैनेजमेंट - गोविंद राय, प्रताप डे, जयंत राय

संयोजक - देवाशीष मुखर्जी, संजय आचार्य, गौतम मुखर्जी, राजेश डोंगरे,उत्पल घोष ,प्रशांत नाग, धीमान सेन ,प्रसनजीत बनर्जी।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

रात्रि में घर अंदर घुसकर मारपीट के आरोपी को बलौदा पुलिस ने दबोचा

जांजगीर चांपा / रात्री में घर अंदर घुसकर मारपीट के आरोपी को बलौदा पुलिस ने धर दबोचा है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आरोपी द्वारा शराब के नशे में दिनांक 23 जून 25 को देर रात्रि करीब 12:30 को अपने ससुराल में जाकर घर के दरवाजा को जोर जोर से खटखटाने लगा। आरोपी का

सास पीड़िता पुलेश्वरी गोस्वामी द्वारा दरवाजा को खोलने पर आरोपी अपनी पत्नी और बच्चे को रात में ही घर ले जाने लगा सुबह ले जाना कहकर मना करने पर प्रार्थीया को अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने लगा तथा हांथ की उंगली और कलाई को दांत से काट दिया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना बलौदा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान *आरोपी सूरज बन गोस्वामी उर्फ सोनू को उसके सकुनत से पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी बलौदा राजीव श्रीवास्तव, प्र0आर0 नवीन सिंह, आर. ईश्वरी राठौर, संदीप सोनत एवं थाना बलौदा का सराहनीय योगदान रहा।

पुत्र मोह में भूपेश ने पूरी कांग्रेस को झोंका – नारायण चंदेल

भूपेश के बेटे कांग्रेस के कौन से पद पर है जो कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है

भाजपा ने पत्रकार वार्ता कर कांग्रेस पर बोला हमला

जांजगीर चांपा / भारतीय जनता पार्टी ने आज पत्रकार वार्ता आयोजित कर प्रदेश कांग्रेस की 22 अगस्त को प्रस्तावित आर्थिक नाकेबंदी पर जमकर हमला बोलते हुए अनेक सवाल उठाए हैं । मुख्य वक्ता नारायण चंदेल ने कहा कि कांग्रेस बताएं कि भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल कांग्रेस के किस पद पर है जिस व्यक्ति का कांग्रेस में कोई पद नहीं उसे व्यक्ति के लिए पूरी कांग्रेस प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है इसका साफ मतलब है भूपेश बघेल ने पूरी कांग्रेस को पुत्र मुंह में झोंक दिया है। हमने पहले भी बड़े-बड़े ऐसे उदाहरण देखें हैं जिसमें लोगों ने पुत्र मोह में खुद को भी बर्बाद किया और अपने पूरे साम्राज्य को भी बर्बाद किया भूपेश बघेल इस दिशा में काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भूपेश बघेल और कांग्रेस भ्रष्टाचारियों को बचाने पूरे प्रदेश की जनता को परेशान कर रही है और साथ ही उनका आर्थिक रूप से नुकसान भी करने जा रही है जो की प्रदेश की जनता स्वीकार नहीं करेगी।कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस पार्टी और भूपेश बघेल के झूठ का पर्दापाश हो गया है। कांग्रेस चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण बार-बार प्रस्तुत कर रही है। आप सबको पता होगा कि अपने शासनकाल के पाँच वर्ष में भूपेश बघेल जी ने छत्तीसगढ़ को दस जनपथ का चारागाह बना दिया था। शराब घोटाले, कोयला घोटाले, चावल घोटाले, गोठान घोटाले से लेकर पीएससी घोटाले तक में इसने प्रदेश के संसाधनों को जम कर लूटा था, आज इन घोटालों के आरोपी एक एक कर नप रहे हैं। सभी जेल जा रहे हैं। और बेवजह जिस तरह अपराधियों के विरुद्ध हो रही कानून सम्मत कार्रवाई को कहीं और मोड़ा जा रहा है, वह दुर्भाग्यजनक और कांग्रेस में हिप्पोक्रेसी का सबसे बड़ा नमूना है।

जब भी आप सभी कॉल ब्लॉक आवंटन और पेड़ कटाई आदि पर सवाल उठाते थे, तो दस जनपथ के दबाव में सीधे तौर पर भूपेश बघेल जी बचाव में आ जाते थे। कहते थे कि कोल ब्लॉक आवंटन का विरोध करने वाले अपने-अपने घरों की बिजली बंद कर दें। सवाल यह है कि अब जब झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा कर भूपेश अपनी कालिख धोने की कोशिश कर रहे हैं, तो क्या वह अपने घर और राजीव भवन की बिजली बंद करेंगे? यह तथ्य है कि न केवल भूपेश बघेल ने कोल ब्लॉक अशोक गहलोत को आवंटित किया था, बल्कि उससे पहले भी मनमोहन सिंह जी की सरकार में तमाम नियमों को धत्ता बताते हुए छत्तीसगढ़ के कोल ब्लॉक आवंटन की राह आसान की थी। उन्होंने कहा कि साल 2010 में केन्द्र में काँग्रेस की सरकार थी, तब कोयला मंत्रालय और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा हसदेव अरण्य को पूरी तरह से नो-गो जोन घोषित किया गया था। उसे कांग्रेस सरकार के पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने ही सबसे पहले गो एरिया घोषित किया था। 23 जून 2011 को केन्द्र में कांग्रेस की सरकार रहते ही तारा परसा ईस्ट और कांटे बेसन कोल ब्लॉक को खोलने का प्रस्ताव दिया गया। जब छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, उस वक्त अडानी को दो बड़ी खदानों गारे पेलमा सेक्टर-2 और राजस्थान में केते एक्सटेंशन ब्लॉक का ऑपरेटर बनाया गया। इसी तरह भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री कार्यकाल में ही 16 अक्टूबर 2019 को राज्य सरकार ने पर्यावरण स्वीकृति के लिए सिफारिश भेजी।31 मार्च 2021 को ओपन कास्ट गारे पेलमा सेक्टर-2, मांड-रायगढ़ कोलफील्ड के लिए हुआ समझौता भी सबके सामने है। इसी क्रम में 19 अप्रैल 2022 को भूपेश बघेल जी के मुख्यमंत्री रहते ही कांग्रेस सरकार द्वारा वन स्वीकृति स्टेज-1 और 23 जनवरी 2023 को वन स्वीकृति स्टेज-2 के लिए सिफारिश भेजी गई।

महाजेंको कोल फील्ड की स्वीकृति में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संलिप्तता को लेकर तब अनेक अखबारों ने समाचार भी प्रकाशित किए थे। 25 मार्च 2022 को भूपेश सरकार ने राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार के रहते राजस्थान को कोल माइंस का आबंटन किया था।

उक्त पत्रकार वार्ता मे जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े , सोशल मीडीया के प्रदेश प्रभारी प्रशांत सिंह ठाकुर , पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहु , नगरपालिका अध्यक्ष रेखा गढ़वाल , जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया , विवेका गोपाल , पंकज अग्रवाल , अभिमन्यु राठौर , मोहन यादव उपस्थित थे ।

अतिशेष शिक्षकों का हो जिले के रिक्त पदों पर समायोजन - ब्यास कश्यप

जांजगीर-चांपा / विधायक ब्यास कश्यप ने कलेक्टर जांजगीर-चांपा को पत्र लिखकर तथा समक्ष भेंट कर जिले के अतिशेष शिक्षकों को जिले के भीतर ही रिक्त पदों पर समायोजित करने की मांग की है। ज्ञात हो कि जिले के अतिशेष शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक ब्यास कश्यप से भेंट कर उन्हें अवगत कराया कि युक्तियुक्तकरण के तहत जिले के करीब 110 शिक्षकों को जिले से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि जिले में अभी भी 109 पद रिक्त हैं। शासन द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण निर्देश के अनुसार जितने अतिशेष शिक्षक हैं उतने रिक्त पद दर्शित करते हुए उनका युक्तियुक्तकरण करना था। लेकिन जिले के अधिकारियों के द्वारा शासन के नियमों की गलत व्याख्या करते हुए युक्तियुक्तकरण किया गया और नियम विरूद्ध यहां के 110 शिक्षकों का जिले से बाहर स्थानांतरण कर दिया गया। उक्त सभी शिक्षक अभी हाईकोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम राहत पर हैं तथा जिला समिति के समक्ष उनका प्रकरण विचाराधीन है। जिले के बाहर स्थानांतरित शिक्षकों के द्वारा उन्हे जिले में उपलब्ध रिक्त 109 पदों पर समायोजित करने की मांग जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप से की गई। शिक्षकों की मांग पर विधायक ब्यास कश्यप स्वयं कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर से मिलकर उन्होंने चर्चा की तथा जिले से बाहर स्थानांतरित सभी 109 शिक्षकों को जिले में समायोजित करने की मांग की। विधायक ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी एवं संयुक्त संचालक शिक्षा बिलासपुर की गलती की सजा मेरे जिले के शिक्षकों को क्यों भुगतनी पड़ेगी। अधिकारियों ने नियमों की व्याख्या अपने हिसाब से करके जिले के शिक्षकों के साथ अन्याय किया है। विधानसभा में मेरे द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न के जवाब में स्वयं मुख्यमंत्री ने बताया है कि पूर्व माध्यमिक शालाओं में शिक्षकों के पदांकन में विषय बाध्यता समाप्त है, फिर क्यों अधिकारियों द्वारा युक्तियुक्तकरण में विषय बाध्यता की बात की जा रही है। कोरबा एवं सारंगढ़ जिलों में विषय बाध्यता नही देखते हुए अतिशेष शिक्षकों को रिक्त पदों पर समायोजित किया गया है। ये दोनों जिले भी बिलासपुर संभाग के अंतर्गत आते हैं। एक ही संभाग के अलग-अलग जिलों में अलग-अलग नियम कैसे लागू हो सकता है। उन्होंने अपने पत्र में संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर पर जिला कलेक्टर को गुमराह करने एवं जांजगीर -चांपा जिलावासियों के प्रति भेदभाव करने का आरोप भी लगाया है। इसी संबंध में अकलतरा विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह एवं जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू के द्वारा भी कलेक्टर जिला जांजगीर - चांपा को पत्र लिखा गया है।

विधायक ब्यास कश्यप ने किया सी.सी.रोड का भूमिपूजन

जांजगीर-चांपा / विधायक ब्यास कश्यप ने ग्राम पंचायत खोखसा में 10 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सी.सी.रोड का भूमिपूजन किया। ज्ञात हो कि ब्यास कश्यप ने ग्राम पंचायत खोखसा में खाटू श्याम प्रेम मंदिर से मेन रोड खोखसा तक सी.सी.रोड निर्माण के लिए विधायक निधि से 10.00 लाख रूपये राशि की अनुशंसा प्रदान की है। इस अवसर पर विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि खाटू श्याम मंदिर ने जिला मुख्यालय को एक नई पहचान दी है। दूर-दूर से श्रद्धालु श्याम बाबा के दर्शन के लिए यहां आते हैं। सी.सी.रोड निर्माण हो जाने से श्रद्धालुओं के साथ-साथ क्षेत्रवासियों को भी अपने दैनिक आवागमन में सुविधा होगी। सी.सी.रोड निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने के लिए मंदिर प्रबंधन समिति तथा ग्रामवासियों ने विधायक ब्यास कश्यप के प्रति आभार प्रकट किया है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत खोखसा के सरपंच आकाश सिंह चैहान, पंच राजू यादव, जीतेन्द्र चैहान, संतोष सिंह चैहान, विक्रम सिंह चैहान, शोभा केंवट, शिव कुमार केशरवानी, राजू अग्रवाल, नारायण अग्रवाल, भगवान सिंह सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

भाजपा के प्रतिरोधी रवैये को प्रदेश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी ईडी की कार्यवाही द्वेषपूर्ण : महेंद्र यादव

राजनांदगांव। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण महामंत्री व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव ने केंद्र सरकार पर विपक्ष की आवाज को दबाने और लोकतंत्र को कमजोर करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लगातार लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन करते हुए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई और उनके पुत्र चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी को उन्होंने अलोकतांत्रिक और राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बताया। श्री यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस षड्यंत्र के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी और भाजपा के हर दमनकारी प्रयास का कड़ा विरोध करेगी।

पूर्व सैनिक 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाएगी

राजनांदगांव।

अखिल भारतीय पुर्व सैनिक सेवा परिषद एवं सैन्य मातृशक्ति परिषद जिला इकाई राजनांदगांव के द्वारा कारगिल विजय दिवस मनाने की तैयारी पर चर्चा के लिए संयुक्त मीटिंग 20 जुलाई 2025 को रखा गया। जिसमे समस्त सैन्य मातृशक्ति एवं पुर्व सैनिक की उपस्थिति मे निर्णय लिया गया की कारगिल विजय दिवस 26 जुलाई 2025 को धूमधाम से मनाया जाएगा। सर्वप्रथम गौरव स्थल पर भारतीय वीर शहीदों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन अर्पित किया जायेगा। तत्पश्चात तिरंगा भ्रमण राजनांदगांव शहर मे करते हुए अभिलाषा संस्था पहुंच कर दिव्यांग बच्चों के साथ विजय दिवस एवं कारगिल युद्ध मे शहीद भारतीय वीर सपूतों के सम्मान मे सभी दिव्यांग बच्चों को प्रीतिभोज अखिल भारतीय सैन्य मातृशक्ति जिला राजनांदगांव के द्वारा कराया जाएगा।इस मीटिंग मे मुख्य रूप से पुर्व सैनिक सेवा परिषद राजनांदगांव के जिला संरक्षक बसंत रावटे जिलाध्यक्ष अशोक झा जिला प्रधिकारि गुमान दास साहू पीयूष साव अमर साव संजय पवार उमेश गंगबेर डोंगरगढ से सभी सदस्य एवं सैन्य मातृशक्ति जिला अध्यक्ष वर्षा रावटे संगिता साहू संगिता गंगबेर पी ज्योति सुनीता राव शिवानी साव भुवनेश्वरी साव मीनेश साहू शीतल सिन्हा ,पूर्व सैनिक अंगेश्वर प्रसाद सिन्हा,कन्हैया साहू पूर्व सैनिक एवं श्रीमती कन्हैया साहू आदि सदस्यगण उपस्थित रहे।

महिला से छेड़छाड़ के आरोपी को पामगढ़ पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / महिला से छेड़छाड़ के आरोपी को पामगढ़ पुलिस ने पकड़ा है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 19 जुलाई 2025 पीड़िता घर में थी तभी आरोपी द्वारा सूनेपन का फायदा उठाकर बेइज्जती करने की नियत से छेड़छाड़ करने लगा , पीड़िता चिल्लाई तो आरोपी वहां से भाग गया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 321/25 धारा 74, 333 बी.एन.एस. कायम कर विवेचना में लिया गया। महिला पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के

निर्देशन में थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी श्रीराम यादव निवासी व्यासनगर थाना पामगढ़ को उसके सकुनत से पकड़ा जिसको हिरासत मे लेकर घटना के सम्बंध मे पुछताछ किया किया जो सुनेपन का फायदा उठाकर महिला से छेड़छाड़ करना जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक मनोहर लाल सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ़, सउनि सरोज पाटले, महिला प्रधान आर. मंजू सिंह आर यशवंत पाटले एवं थाना पामगढ़ स्टाफका सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की मांग एवं समस्याएं

जनदर्शन में आज कुल 92 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 92 आवेदन प्राप्त हुए।

आज जनदर्शन में तहसील मुख्यालय जांजगीर निवासी श्री प्रदीप राठौर ने राजस्व प्रकरण में एक माह से अधिक समयावधि होने के बाद भी आदेश पारित नही होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम जांजगीर को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार तहसील बलौदा के ग्राम खैजा निवासी श्री द्वारिका प्रसाद ने नामांतरण प्रकरण की प्रतिलिपि प्रदान करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने तहसीलदार बलौदा को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। तहसील बलौदा निवासी श्री धनीराम यादव ने निराश्रित पेंशन दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक जांच करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आज जनदर्शन में आर्थिक सहायता, राशन कार्ड, पीएम आवास सहित अन्य विषयों से संबंधित 92 आवेदन प्राप्त हुए।

सड़कों से आवारा मवेशियों को हटाने के संबंध में सीईओ, सीएमओ को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

जांजगीर-चांपा /

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने सोमवार को जिला कार्यालय सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि समय-सीमा में कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। जिले में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाईकोर्ट एवं अन्य न्यायालयों में प्रकरणों का समय पर एवं गंभीरता से निराकरण किया जाए।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि यदि स्कूल या आंगनबाड़ी तक जाने वाले रास्तों में कोई तालाब, नाला या जलभराव क्षेत्र स्थित हो, तो ग्रामवार चिन्हांकन कर ऐसे स्थलों की जानकारी संकलित कर चेतावनी बोर्ड लगाएं व दीवार लेखन द्वारा जनजागरूकता फैलाएं, ताकि किसी भी घटना की आशंका को रोका जा सके। इसके लिए मुनादी कर ग्रामीणों एवं परिजनों को जागरूक करने

के निर्देश दिए। साथ ही मनरेगा अंतर्गत निर्मित तालाबों एवं गहरीकरण कार्यों के पूर्ण होने के उपरांत उन्हें सुरक्षित रूप से निस्तारी उपयोग में लाने, जलभराव की स्थिति में खतरे के चिन्ह लगाने एवं अन्य सुरक्षा उपाय किए जाएं। कलेक्टर ने स्कूलों व आंगनबाड़ी भवन परिसर में बारिश के कारण पानी भरने या आवागमन में बाधा की शिकायत प्राप्त होने पर वहां शीघ्र जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि परिसर में नियमित साफ-सफाई तथा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। कलेक्टर श्री महोबे ने स्कूल निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को बच्चों की उपस्थिति, भवन की स्थिति, गणवेश एवं पाठ्य-पुस्तक वितरण, छात्रवृत्ति योजनाओं की स्थिति की वस्तुस्थिति को देखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि सभी कार्यालयों में फाइलों का मूवमेंट ई-फाइल के माध्यम से ही किया जाना है। उन्होंने ई-ऑफिस की क्रियान्वयन के संबंध में सभी विभागों को निर्देशित कर कहा कि ई-ऑफिस से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता पर किया जाए। इसके साथ ही आमजनों की विद्युत से संबंधित समस्याओं के लिए शिविर लगाकर निराकरण करने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने दिव्यांगता जांच शिविर लगाने के निर्देश समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभाग के समन्वय से आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खाद-बीज के भंडारण और किसानों को किए जा रहे वितरण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी सोसायटी में पर्याप्त मात्रा में खाद का भंडारण रखें और किसानों की मांग पर वितरण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को अनावश्यक खाद-बीज के लिए दिक्कत नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने एग्रोस्टैक में शत प्रतिशत किसानों का अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में नगरीय क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों, सड़कों से आवारा मवेशियों को तत्काल सड़को से हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पशु चिकित्सा विभाग, सीईओ जनपद, सीएमओ, सहित संबंधित विभागों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवारा मवेशियों के सड़क पर बैठने वाले चिन्हित स्थलों की पहचान कर वहां से हटाने और गौशाला व कांजी हाऊस पहुंचाने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मवेशियों के मालिकों को पशु सौंपने और निर्धारित जुर्माना लगाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने पशु चिकित्सा विभाग को रात्रिकालीन दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए मवेशियों को रेडियम बेल्ट बांधने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने फसल चक्र, फॉर्मर रजिस्ट्रेशन, स्वामित्व योजना, अनुकम्पा नियुक्ति, मौसमी बीमारी सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, अपर कलेक्टर श्रीमती आराध्या राहुल कुमार, सर्व एसडीएम सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

रेत से लदा टिप्पर का टायर फटा, मची अफरा-तफरी, बाल-बाल बचे लोग

कोरबा, शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में गुरुवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब निहारिका टॉकीज के समीप रेत से लदा एक टिप्पर अचानक तेज धमाके के साथ फट गया। टायर फटने की तेज आवाज से आसपास खड़े लोग और राहगीर घबरा गए और जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ।

घटना स्थल के पास मौजूद लोगों ने बताया कि गायत्री मेडिकल के सामने एक टिप्पर खड़ा था, जिसमें रेत भरी हुई थी। रेत पूरी तरह गीली थी और उससे लगातार पानी टपक रहा था। जिससे यह स्पष्ट हो गया कि रेत हाल ही में नदी से निकाली गई है, और यह मामला रेत की तस्करी से जुड़ा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही टिप्पर निहारिका टॉकीज के समीप पहुंचा, उसका टायर जोरदार धमाके के साथ फट गया। इस अप्रत्याशित घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोग समझ नहीं पाए कि क्या हुआ है और किसी अनहोनी की आशंका से इधर-उधर दौड़ने लगे।

कटघोरा की चौपाटी और पुष्पवाटिका निर्माण में भारी घोटाला, डीएमएफ फंड की खुली लूट

कोरबा, नगर पालिका क्षेत्र में हाल ही में लोकार्पित चौपाटी और पुष्पवाटिका अब भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का प्रतीक बनती जा रही हैं। 10 जुलाई को बड़े ही धूमधाम से उद्घाटन किए गए इन दोनों प्रोजेक्ट्स की जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

नगरपालिका द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, चौपाटी पर 19.41 लाख रुपये और पुष्पवाटिका पर 62.69 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन जब इन स्थानों पर जाकर स्थिति का जायजा लिया गया तो बेंच तक नहीं, स्ट्रीट लाइट अधूरी, फव्वारे गायब और निर्माण कार्य अधूरा पाया गया। पुष्पवाटिका की हालत और भी खराब है कृ पौधों के नाम पर गड्ढे, मिट्टी और कूड़ा नजर आता है।

खनिज प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए बनाए गए कडथ् फंड को अफसरों और ठेकेदारों ने लूट का जरिया बना लिया है। आरोप हैं कि निर्माण कार्य में 30: से 50: तक कमीशन की डील तय हुई, जिसमें अफसरों से लेकर ठेकेदारों और कार्यालय तक पैसा बांटा गया। दावा किया गया था कि चौपाटी में हर सुविधा होगी कृ बैठने की अच्छी व्यवस्था, सुंदर टाइल्स, जल फव्वारे और रोशनी की पूरी व्यवस्था।

सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत, 8 साल से बस्ती में रहकर कर रहा था मजदूरी

कोरबा, उरगा-चांपा मार्ग पर शुक्रवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक को सिर और सीने पर गंभीर चोटें आईं। हादसे की जानकारी मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

तेजी से बदलती दुनिया में नए मानकों और नवाचारों की जानकारी जरूरी : अरुण साव

पीएचई के अभियंताओं के लिए बीआईएस द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रायपुर (संवाददाता)।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव सोमवार को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अभियंताओं के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शामिल हुए। भारतीय मानक ब्यूरो के रायपुर कार्यालय द्वारा रायपुर के नवीन विश्राम भवन में 21 और 22 जुलाई को दो दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। देशभर से आए विषय विशेषज्ञ कार्यक्रम में पीएचई के अभियंताओं को जल प्रदाय योजनाओं में प्रयुक्त सामग्री और कार्यों के नए मानकों की जानकारी दे रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रदेशभर के 120 से अधिक अभियंता इसमें हिस्सा ले रहे हैं जिनमें मुख्य अभियंता से लेकर अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और सहायक अभियंता शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभियंताओं से कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में नए मानकों और नवाचारों से अपडेट रहना जरूरी है। एक इंजीनियर के रूप में सम-सामयिक तकनीकी पहलुओं और उनके नवीन मापदंडों की जानकारी आवश्यक है। कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए इनकी अच्छी जानकारी काफी मददगार होती है। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो को क्षमता निर्माण कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे हमारे अभियंताओं की दक्षता और क्षमता बढ़ेगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का कार्य सीधे जन कल्याण से जुड़ा हुआ है। चाहे वह स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था हो, जल शोधन की प्रक्रिया हो या ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल आपूर्ति तंत्र को सुदृढ़ बनाना हो। इन कार्यों की प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम मानकों का कितना पालन करते हैं और तकनीकी ज्ञान को कितनी सफलता से धरातल पर उतारते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अभियंताओं के लिए यह कार्यक्रम उनके कार्यस्थल पर प्रभावी कार्य संपादन में सहायक होगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने कहा कि देश-दुनिया में प्रचलित मानकों और मापदंडों से विभाग के अभियंताओं को अवगत कराने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने विभागीय अभियंताओं से अपील की कि वे यहां सीखी गई बातों को फील्ड में कार्यों के मापन और मूल्यांकन में जरूर अपनाएं। जल जीवन मिशन के संचालक जितेन्द्र शुक्ला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता टी.डी. सांडिल्य और भारतीय मानक ब्यूरों के क्षेत्रीय निदेशक एस.के. गुप्ता ने भी प्रतिभागी अभियंताओं को संबोधित किया।

शिक्षकों की समस्याएं करने होगा काम - दयाल

कोरबा,

पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड में नव नियुक्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी के आर दयाल का शिक्षकों ने सौजन्य भेंट स्वागत कियाक्षेत्र में शिक्षा की वर्तमान स्थिति, समस्याएं और उसके निराकरण के उपायों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। शिक्षकों ने दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों की समस्याओं, शिक्षक संसाधनों की कमी, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं की स्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता पर अपने सुझाव रखे।

इस मौके पर एसोसिएशन के ब्लॉक अध्यक्ष रामशेखर पांडेय, प्रदेश संगठन मंत्री प्रमोद सिंह राजपूत ,ब्लॉक सचिव पीलासाव साहू , जिला पदाधिकारी ,,जितेंद्र भारद्वाज,पवन भारिया, मनबोध सारथी,अश्वनी खरे , जय पांडे यशोधरा पाल ,रम्भा तंवर उपस्थित रहे। बीईओ से अपेक्षा जताई कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा और गति मिलेगी। श्री के आर दयाल ने भी शिक्षकों के सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि वे क्षेत्र की शैक्षणिक चुनौतियों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने के लिए कार्य करेंगे।

जिले में गर्भवती एवं उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का हो रहा उपचार

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के नेतृत्व में कोरबा जिले कीगर्भवती महिलाओं की नियमित रूप से जॉच एवं उपचार किया जा रहा है जिससे उनकी और गर्भ में पल रहे बच्चे की स्वास्थ्य स्थिती की निगरानी हो सके। उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रेगनेंसी) वह होती है जिसमें मॉ या शिशु को सामान्य गर्भावस्था की तुलना में अत्यधिक स्वास्थ्य समस्याएं होने का खतरा होता है। इसका मतलब है कि गर्भावस्था के दौरान, प्रसव के दौरान या प्रसव के पश्चात् मॉ या बच्चे में जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। इन जटिलताओं से बचने के लिए गर्भवती महिला का नियमित जॉच एवं उपचार आवश्यक है। यदि किसी गर्भवती महिला में निम्नांकित कोई भी जोखिम कारक मौजूद है तो मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 17 वर्ष से कम या 35 वर्ष से अधिक उम्र में गर्भावस्था, बहुत कम या अधिक वजन वाली महिलाएँ, 145 सेंटीमीटर से कम उँचाई वाली महिलाएँ, पूर्व गर्भावस्था की जटिलताएँ जैसे कि समय से पहले प्रसव, गर्भपात, मृत जन्म या नवजात शिशु की मृत्यु,पूर्व से मौजूद बिमारी जैसे मधुमेह,उच्च रक्तचाप,हृदय रोग,, गुर्दे की बिमारीयां, मानसिकस्वास्थ्य समस्यायें, गर्भावस्था के दौरान जटिलताएँ जैसे गर्भावस्था -प्रेरित उच्च रक्तचाप, जेस्टेशनल डायबिटीज या प्लेसेंटा की समस्याएं, पूर्व प्रसव ऑपरेशन से हुआ हो। ऐसी लक्षण जिस गर्भवती महिला में हो उसे उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था माना जाता है और उसे विशेष देखभाल और निगरानी की आवश्कता होती है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया कि उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था एक गंभीर स्थिती है लेकिन उचित प्रबंधन के साथ मॉ एवं बच्चे के लिए अच्छे परिणाम प्राप्त करना संभव है। उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था वाली गर्भवती महिलाओं को प्रसूती एव स्त्री रोग विशेषज्ञ या अन्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा देखभाल की आवश्यकता हे। कोरबा जिले में प्रत्येक माह की 9 एवं 24 तारीख को प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में प्राथमिक/सामु. स्वास्थ्य केन्द्रों में स्त्रीरोग विशेषज्ञ/चिकित्सा अधिकारियो के द्वारा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की जॉच एवं उपचार प्रदान किया जा रहा है। साथ हीं दूरस्थ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो में सामु.स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ स्त्रीरोग विशेषज्ञ ड्यूटी निर्धारित कर आसपास क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं की जॉच करवाया जा रहा है। जैसे कोरबा ब्लाक में प्रथम बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र श्यांग, तृतीय बुधवार को लेमरू में डॉ.यामिनी बोडे, स्त्री एवं प्रसूती रोग विशेषज्ञ, कटघोरा ब्लाक में प्रत्येक माह की 9 एवं 24 तारीख को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाईबाजार में डॉ.रश्मि लता सिग, चिकित्सा अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चाकाबुड़ में डॉ.सपना खैरवार , चिकित्साअधिकारी,करतला ब्लाक में प्रथम बुधवार को प्रा.स्वा.केन्द्र सरगबंदिया, द्वितीय बुधवार को प्रा.स्वा.केन्द्र कोथारी , तृतीय बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पसवानी, खरवानी तथा चतुर्थ बुधवार को चिकनीपाली में डॉ.प्रियंका गोयल , स्त्री एवं प्रसूती रोग विशेषज्ञ, पोंडी ब्लाक में द्वितीय बुधवार को प्रा.स्वा.केन्द्र पसान एवं तृतीय बुधवार को प्रा.स्वा.केन्द्र कोरबी में डॉ. राकेश सिंह , स्त्री एवं प्रसूती रोग विशेषज्ञ, पाली ब्लाक में प्रथम बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सपलवा में तृतीय बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरदीबाजार ,में डॉ.जयंत राम भगत , स्त्री एवं प्रसूती रोग विशेषज्ञ की सेवायें निर्धारित किया गया है। जिससे उस प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं तथा आसपास क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं की जॉच एवं उपचार प्रदान किया जाता है जिससे उच्च जोखिम वाली वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान हो सके।

गेवरा खदान में मिट्टी और शेल पत्थर की मिलावट पर बढ़ा विवाद

कोल लिफ्टर और पावर प्लांट्स को हो रहा भारी नुकसान

कोरबा,।

एसईसीएल की गेवरा कोयला खदान इन दिनों एक बड़े विवाद के केंद्र में है। जहां एक ओर खदान कोयले के उत्पादन और प्रेषण के नए कीर्तिमान बना रही है, वहीं दूसरी ओर घटिया गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति से जुड़ी कुछ तस्वीरें और शिकायतें भी सामने आ रही हैं, जिसने पूरे क्षेत्र में हलचल मचा दी है।

जानकारी के अनुसार मामला गेवरा खदान के ओल्ड दीपका स्टॉक से जुड़ा है, जहां बड़े पैमाने पर कोयले के नाम पर मिट्टी और शेल पत्थर का स्टॉक ट्रकों में भरकर पावर प्लांट्स को भेजने का आरोप लगा है। बताया जा रहा हैं की इन ट्रकों में लोड कोयले की जब प्लांट में जांच होती है, तो उसकी जीसीवी (ग्रॉस कैलोरिफिक वैल्यू) मात्र 3200 पाई जा रही है, जबकि गेवरा खदान के कोयले की गुणवत्ता 3800 से 4000 के बीच होनी चाहिए।

डीओ होल्डरों को हो रहा लाखों का नुकसान

कोल लिफ्टरों और डीओ होल्डरों का कहना है कि खराब गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति के कारण पावर प्लांट्स द्वारा उनके भुगतान में कटौती की जा रही है। एक ट्रक पर उन्हें 20 से 30 हजार रुपये तक की आर्थिक क्षति हो रही है।

जलभराव व पेयजल की समस्या से भी जूझ रहे चिमनीभट्टा के लोग

कोरबा, लोकशक्ति।

नगर पालिक निगम के अमरैयापारा वार्ड के अधीन स्थित चिमनीभट्टा के निचले मोहल्ले के जलभराव ही नहीं पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां निगम द्वारा बिछाए गए नलों में पानी नहीं आ रहा है। फलस्वरूप यहां के निवासी पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। पेयजल समस्या से जूझ रहे लोगों ने बताया कि ऐसी स्थिति उपरी क्षेत्र में रह रहे लोगों द्वारा अपने-अपने घरों के नलों में टुल्लू पंप लगाए जाने की वजह से बनी है। जिनके द्वारा पंप के जरिए अधिकांश पानी को खींच लिया जाता है और निचली बस्ती में आते तक प्रेशर कम होने के कारण नलों में पानी नहीं पहुंच पाता और इन्हें समस्या का सामना करना पड़ता है। बस्तीवासियों के अनुसार निगम के अधिकारियों ने गत दिनों टुल्लू पंप लगाए जाने की शिकायत पर चिमनीभट्ठा में कई घरों में छापा मारा था और अवैध रूप से टुल्लू पंप मिलने पर उसे जब्त करने की कार्रवाई भी की थी। निगम अधिकारियों की इस कार्रवाई के बाद उनके घरों में 5-6 दिनों तक नल से पर्याप्त पानी आया और राहत भी महसूस हुई। लेकिन अब फिर पूर्व की स्थिति बन गई है और भरी बरसात में पानी की किल्लत से उन्हें जूझना पड़ रहा है। लगता है कि लोगों ने पुनरू टुल्लू पंप लगा लिया है जिसकी वजह से समस्या उत्पन्न हो रही है। निचली बस्ती में पेयजल की समस्या से वार्ड पार्षद को अवगत कराने पर उन्होंने अपने स्तर से संज्ञान लिया और बस्ती में बंद पड़े हैंडपंपों को सुधरवाकर राहत देने की कोशिश की जिससे उन्हें निस्तारी के लिए कुछ पानी तो अवश्य मिल जा रहा है लेकिन पीने के पाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है।

रेलवे स्टेशन मार्ग पर गिरी 50 मीटर सेफ्टीवॉल-हादसे का बढ़ा खतरा

कोरबा, । कोरबा अंचल के संजय नगर रेलवे क्रॉसिंग से रेलवे स्टेशन मार्ग पर नहर किनारे बनाई गई सेफ्टीवॉल ढह गई है। करीब 50 मीटर सेफ्टीवॉल का हिस्सा सडक के साथ नहर में गिर गया है। माना जा रहा हैं की इसे नहीं हटाया गया तो फसल की सिंचाई भी प्रभावित हो सकती है। इसके साथ ही आगे सडक और बिजली खंभे भी झुक गए हैं। इससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। इसके बाद भी सिंचाई विभाग इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं।

उल्लेखनीय हैं की दर्री बराज से निकली बांयीं तट नहर शहर के बीच से गुजरी है। नगर निगम ने नहर के ऊपर ही सडक का निर्माण कराया है। संजय नगर के सडक किनारे सेफ्टीवॉल का निर्माण भी कराया है। इसके अलावा स्ट्रीट लाइट भी लगई है। नहर की लाइनिंग टूटने की वजह से सडक खोखली हो गई है। सिंचाई के समय मिट्टी का कटाव होने की वजह से सेफ्टी वॉल भी दब गई है, लेकिन इस ओर ध्यान ही नहीं दिया गया। बताया जा रहा हैं की बारिश होने की वजह से 50 मीटर सेफ्टीवॉल और किनारे की सडक नहर में गिर गई है। इसके अलावा आगे भी सडक क्षतिग्रस्त हो गई है। अधिक बारिश होने पर वह भी गिर सकती हैं।

नहर मार्ग पर सडक के दोनों दोनों ओर कांक्रीट किया गया है। इसके ऊपर स्ट्रीट लाइट लगाई गयी है, लेकिन जानकारी के अनुसार मिट्टी के धंसने की वजह से करीब 100 मीटर सडक भी खोखली हो गई है। इसकी वजह से ही सेफ्टीवॉल कमजोर हो गया है। जब तक नहर की लाइनिंग नहीं बनेगी, तब तक यहां कोई भी निर्माण नहीं टिकेगा। जानकारी के अनुसार बांयीं तट नहर के 4.4 से 18 किमी तक की नहर लाइनिंग की मरम्मत के लिए 21 करोड़ 91 लाख की मंजूरी मिली है। इसमें 6.08 करूंगा और 7.56 करोड़ का निविदा भी निरस्त हो गयी हैं। ठेकेदारों में काम करने से मना कर दिया। इसके लिए फिर से निविदा को प्रक्रिया की जा रही है। 8.27 करोड़ का काम बारिश के बाद शुरू होगा।

वेदांता स्किल स्कूल में एआई स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ

कोरबा वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर वेदांता स्किल्स स्कूल में एवीएनपी एआई स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ किया। कंपनी ने नवाचार को बढ़ावा देते हुए साप्ताहिक कार्यक्रम को आयोजन किया, जो 'एआई और डिजिटल स्किल्स के माध्यम से युवा सशक्तिकरण' थीम पर केंद्रित था। आयोजन में लगभग 150 से अधिक युवा एवं प्रशिक्षकों ने भाग लिया। स्किल स्कूल के पूर्व छात्र एवं कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा कर युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। एआई स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम 20 दिवसीय तथा प्रतिदिन 2 घंटे की अवधि में प्रदान किया जाएगा। 20 घंटे अनिवार्य प्रशिक्षण मॉडल को तीन भाग, सेंटर-बेस्ड ट्रेनिंग, वर्तमान प्रशिक्षुओं हेतु इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग और वर्कप्लेस आधारित ऑन-साइट ट्रेनिंग में क्रियान्वयन किया गया है। सभी प्रशिक्षण सत्र एशियन वेंचर फिलैन्थ्रपी नेटवर्क (एवीएनपी) के एएनयूडीआईपी, एलएमएस सिस्टम द्वारा मॉनिटर किए जाएंगे और प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग ऑफट्रेनर्स कार्यक्रम के अंतर्गत प्रमाणित किया गया है। प्रशिक्षुओं का चयन एंट्री गेट असेसमेंट के माध्यम से किया जा रहा है.

कार्यक्रम युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की व्यावहारिक समझ देने और उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण के माध्यम से न केवल युवाओं को एआई से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी बल्कि व्यावहारिक समझ देने और उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त बनाया जाएगा। इस अवसर पर बालको के मुख्य कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं प्रशासन अधिकारी कैप्टन धनंजय मिश्रा एवं जिला रोजगार अधिकारी कोरबा के प्रतिनिधि, स्थानीय हितधारक और प्रशिक्षु उपस्थित रहे। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि वर्तमान युग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीकों का युग है। बालको में हम मानते हैं कि युवाओं को इन अत्याधुनिक कौशलों से सशक्त करना समय की मांग है। 'वेदांता स्किल्स स्कूल' के माध्यम से हम न केवल युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बना रहे हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार भी कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण, जो नवाचार, नैतिकता और डिजिटल समझ के साथ आगे बढ़े। कंपनी युवा प्रतिभाओं में विश्वास करता है और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में कई प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की नैतिकता पर विचार-विमर्श हेतु वाद-विवाद प्रतियोगिता, साइबर सुरक्षा विषय पर मॉडल निर्माण, सीवी लेखन एवं मॉक इंटरव्यू पर आधारित कौशल-विकास कार्यशालाएँ शामिल थीं। साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से युवाओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया गया, कार्यक्रम का विशेष आकर्षण एक नाट्य प्रस्तुति रही, जिसमें एआई की विभिन्न शाखाओं और उनके दैनिक जीवन में उपयोग को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया।

वेदांता स्किल्स स्कूल ने अपने स्थापना के बाद से अब तक 13 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया है, जिन्हें देशभर के 22 राज्यों में 45 कंपनियों में रोजगार मिला है। इस वर्ष मोबाइल रिपेयरिंग ट्रेड की शुरुआत के साथ प्रशिक्षण ट्रेड्स की कुल संख्या बढ़कर 7 हो गई है। बालको निरंतर कौशल, नवाचार एवं समावेशन के माध्यम से एक फ्यूचर-रेडी जनरेशन तैयार करने के अपने संकल्प को दोहराता है।

संचालक मंडल के चुनाव में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने सभी पदों पर भारी मतों से जीत दर्ज की

कोरबा, एनटीपीसी प्रगति क्लब के संचालक मंडल के चुनाव में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के प्रत्याशियों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सभी पदों पर भारी मतों से जीत दर्ज की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन के लघु भ्राता कौशल देवांगन एवं बीएमएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष (एनटीपीसी) सुरेन्द्र राठौर ने विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

चुनाव परिणामों में महासचिव पद पर जी.पी. सोनवानी, संयुक्त महासचिव पद पर अमर दीपक देवांगन, प्रशासनिक सचिव पद पर अविनाश कुमार और फिल्म सचिव पद पर खागेंद्र कुमार महतो ने शानदार जीत हासिल की।

विजय उत्सव के दौरान पूर्व पार्षद एवं मंडल उपाध्यक्ष संजय कुर्मवंशी, मंडल कोषाध्यक्ष मनोज वर्मा, महामंत्री महेंद्र ठाकुर, महादेव चैहान, मनोज केवट, बीएमएस उपाध्यक्ष भरत साहू, आर.सी. बेन, बरेठ, भोई, परमेश्वर केवट, गोपी भैया, वार्ड संयोजक मुकेश चंद्रा, पूर्व बूथ अध्यक्ष साहू सहित बड़ी संख्या में बीएमएस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे संगठन में खुशी का माहौल है। सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

बालोद जिले में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम सभी के लिए रहेगा सदैव अविस्मरणीय एवं प्रेरणादायी

प्रदेश में अब तक 446.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 446.1 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 739.1 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 240.8 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 438.3 मि.मी., बलौदाबाजार में 439.1 मि.मी., गरियाबंद में 373.8 मि.मी., महासमुंद में 394.5 मि.मी. और धमतरी में 372.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 471.4 मि.मी., मुंगेली में 513.3 मि.मी., रायगढ़ में 570.9 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 598.6 मि.मी., कोरबा में 516.9 मि.मी., गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 440.5 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 437.6 मि.मी., सक्ती में 538.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 368.5 मि.मी., कबीरधाम में 333.6 मि.मी., राजनांदगांव में 361.5 मि.मी., बालोद में 438.8 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 521.8 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 311.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

स्व सहायता समूह की दीदी आजीविका मूलक गतिविधियों से जुड़कर बनी आत्मनिर्भर

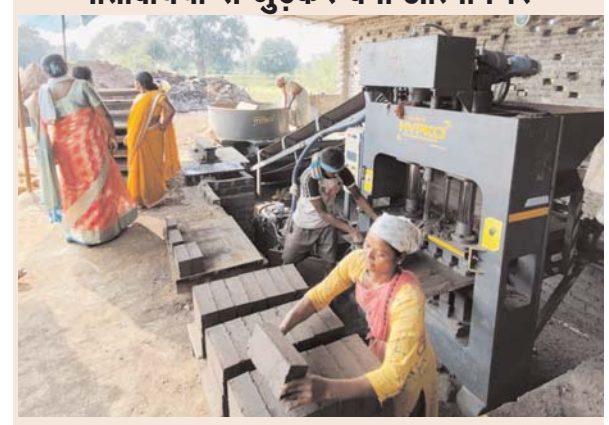

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में जशपुर जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत सभी विकास खंड में 11 हजार 559 स्व-सहायता समूह का गठन किया गया है। जिसमें 1 एक लाख 24 हजार 117 महिला सदस्य जुड़ी हुई हैं और ये महिलाएं विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन गयी हैं।

विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें स्व-सहायता समूह को 703 ग्राम संगठन एवं 32 संकुल संगठन के माध्यम से संगठित किया गया है। गठित स्व-सहायता समूह सदस्यों की आय में निरंतर वृद्धि के लिए सार्थक प्रयास भी किए जा रहे हैं। महिलाओं को कृषि के माध्यम से बीज उपचार, प्राकृतिक खाद, द्रव जीवामृत, घन जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमस्त्र, निर्माण एवं निरंतर प्रयोग हेतु प्रेरित किया जा रहा है, इस प्रकार से कृषि पशुपालन, मत्स्य पालन, किराना दुकान, ईट निर्माण आदि विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से उनकी आय में वृद्धि हेतु प्रयास किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न योजनाओं जिसमें मुख्यतः कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, रेशम विभाग, रोजगार गारंटी योजना आदि में संचालित होने वाली योजनाओं से जोड़कर स्व-सहायता समूह सदस्यों की आय में वृद्धि हेतु प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत सामुदायिक निधि के द्वारा समूह सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही साथ बैंक के माध्यम से स्व-सहायता समूह का बैंक लिंकेज एवं मुद्रा लोन के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में आजीविका गतिविधि हेतु राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता बढ़ती जा रही है।

महिलाओं की आय बढ़ाने जिले में औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की शुरुआत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर रायपुर जिले में महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन के मार्गदर्शन में बिहान योजना से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों (दीदियों) ने औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की शुरुआत की है। इस कार्य में ष्टस्ढ्ढक्र ङ्क केन्द्रीय औषधीय संस्थान और राष्ट्रीय औषधीय पौधा बोर्ड के विशेषज्ञों का तकनीकी सहयोग प्राप्त हो रहा है। योजना के प्रथम चरण में आरंग विकासखंड की तीन ग्राम पंचायत–बनचरोदा, छटेरा और चटोद में कुल 14 एकड़ पंचायत की सामुदायिक और व्यक्तिगत जमीन पर औषधीय पौधों जैसे बच, खस और ब्राह्मी का रोपण किया जा रहा है।

सरकार के नीतिगत फैसलों ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ के किसानों का मान

खेल युवाओं में साहस, शक्ति और दृढ़ संकल्प का विकास करते हैं

मुख्यमंत्री श्री साय वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में हुए शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री साय वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में हुए शामिलमुख्यमंत्री श्री साय वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में हुए शामिल

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज देर शाम राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मिलित हुए।मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर देश के 28 राज्यों से आए लगभग 1200 प्रतिभागियों और 300 कोचों का भगवान श्रीराम की ननिहाल और माता कौशल्या की पावन धरती छत्तीसगढ़ में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि यह राज्य का सौभाग्य है कि वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग फेडरेशन ने इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ को चुना।

मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ राज्य की विशेषताओं से अवगत कराते हुए बताया कि यह देश के हृदयस्थल पर स्थित एक छोटा, परंतु अत्यंत समृद्ध प्रदेश है, जिसका 44 प्रतिशत भूभाग सुरम्य वनों से आच्छादित है। यहाँ 5,000 वर्ग किलोमीटर में फैला सघन अबूझमाड़ क्षेत्र है, जहाँ सूर्य की किरणें तक नहीं पहुँचतीं। राज्य में मनोरम जलप्रपात, सुंदर गुफाएँ, समृद्ध खनिज संपदा और सांस्कृतिक विविधता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने देशभर से आए खिलाड़ियों को आग्रहपूर्वक छत्तीसगढ़ घूमने का निमंत्रण भी दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किक बॉक्सिंग जैसे खेल युवाओं में साहस, शक्ति और दृढ़ संकल्प का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि ÷यह आयोजन निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और अधिक सशक्त स्थान प्रदान करेगा।÷मुख्यमंत्री ने किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफछत्तीसगढ़ को इस भव्य आयोजन के लिए साधुवाद देते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग हैं, जो केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और समर्पण का भी पाठ सिखाते हैं।

उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे मेहनत, लगन और जुनून के साथ अपने लक्ष्यों की दिशा में निरंतर अग्रसर रहें। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन असली लक्ष्य अपनी क्षमता को पहचानना और उसे निखारना होना चाहिए।÷मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित खेलो इंडिया कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों को इस योजना से जोड़ा गया है, ताकि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के खिलाड़ियों को समान अवसर प्राप्त हो सकें।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन योजनाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने यह भी बताया कि ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 1 से 3 करोड़ रुपये तक की पुरस्कार राशि देने की योजना सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि इस योजना के तहत खेल मैदानों का उन्नयन, उच्च स्तरीय उपकरणों की व्यवस्था, खेल क्लबों को आर्थिक सहायता तथा पारंपरिक खेलों के आयोजन सुनिश्चित किए गए हैं।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को प्रतिस्पर्धा में भागीदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं और आशा जताई कि आगामी वर्षों में छत्तीसगढ़ देश में खेलों के क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभाएगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि किक बॉक्सिंग जैसे खेल विशेष रूप से बालिकाओं की आत्मरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी स्कूली छात्र-छात्राओं से पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में खेलों को हर स्तर पर प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में खेल अकादमियों और आधारभूत संरचनाओं का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है।महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग फेडरेशन के अध्यक्ष श्री संतोष अग्रवाल, छत्तीसगढ़ किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री छगन मुंदड़ा, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा, ऑब्जर्वर श्रीमती रेणु पारीख, श्री मुरली शर्मा, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं खेलप्रेमीजन उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर । भवानी नगर खदान के पास स्थित मैदान के पास दो युवकों ने एक युवक पर रॉड व कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक सुनील राव 24 वर्ष भवानी नगर खम्हारडीह का रहने वाला था। बताया जाता है कि भवानी नगर खदान के पास बैठा था, तभी आरोपी राहुल यादव 20 वर्ष और प्रकाश यादव 19 वर्ष आया और पुरानी रंजिश के चलते सुनील राव से विवाद कर रॉड एवं कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। मामले में खम्हारडीह पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया है।

ऑटो सेंटर के पास खड़ी मोपेड पार

रायपुर । भाठागांव स्थित बॉबी ऑटो सेंटर के पास खड़ी मोपेड को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। प्रार्थी दीपक अग्रवाल 51 वर्ष राधास्वामी नगर पुरानी बस्ती का रहने वाला है। प्रार्थी अपनी मोपेड क्रमांक सीजी 04 एमएम 6020 को बॉबी ऑटो सेंटर के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए मोपेड की कीमत करीब 5 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने सरिया में अटल परिसर, तहसील एवं उप-पंजीयक कार्यालय का किया लोकार्पण

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने सरिया में अटल परिसर, तहसील एवं उप-पंजीयक कार्यालय का किया लोकार्पण

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रविवार को सरिया में नवनिर्मित तहसील कार्यालय, उप-पंजीयक कार्यालय और अटल परिसर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने तहसीलदार कोमल साहू और उप-पंजीयक पूनम सिदार को उनके पदीय दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने के लिए शुभकामनाएं दीं और विधिवत रूप से उन्हें उनके कार्यस्थल की कुर्सी पर आसीन कराया।

लोकार्पण समारोह के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया और सरिया चौक में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत नगर पंचायत कार्यालय परिसर में अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा के साथ अटल परिसर का उद्घाटन भी किया गया।

मंगल भवन में आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों, महिलाओं और आमजन के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार के गठन के 12 दिनों के भीतर किसानों को दो वर्षों का लंबित बोनस दिया गया। पहले वर्ष धान खरीदी का भुगतान लगभग 13 हजार करोड़ रुपये और दूसरे वर्ष 12 हजार करोड़ रुपये किया गया। उन्होंने बताया कि सरिया क्षेत्र में किसानों की मांग पर अपेक्स बैंक की स्थापना की गई है और अब यहां रजिस्ट्री कार्यालय भी आरंभ हो गया है। साथ ही 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण कार्य भी तेज़ी से प्रगति पर है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राजनीति में आने का उनका उद्देश्य लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है और वे भ्रष्टाचार या कमीशनखोरी को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उप-पंजीयक को उन्होंने भ्रष्टाचारमुक्त सेवा देने की सख्त हिदायत दी और सभी जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से जनता की सेवा में ईमानदारी और समर्पण की अपेक्षा जताई। तहसील एवं उप-पंजीयक कार्यालय भवन का निर्माण छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, रायगढ़ द्वारा 72.12 लाख रुपये की लागत से किया गया है, वहीं अटल परिसर का निर्माण 19.95 लाख रुपये की लागत से पूरा हुआ है। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्री कमलेश अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अजय नायक, श्री जगन्नाथ पाणिग्राही, कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, पुलिस अधीक्षक श्री आञ्जनेय वार्ष्णेय समेत बड़ी संख्या में नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

महतारी वंदन योजना बनी आर्थिक संबल, महिलाएं गढ़ रहीं बेहतर कल

महतारी वंदन योजना बनी आर्थिक संबल

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बदलाव की नई इबारत लिख रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि परिवार की जरूरतों में भी सहभागी बन रही हैं।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम पंडरीतराई निवासी श्रीमती रबीना पिस्दा जो एक गृहिणी हैं। उन्हें योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। उन्होंने बताया कि इस राशि को वह अपने बेटे की शिक्षा और जरूरी घरेलू कार्यों में उपयोग कर रही हैं। इस वर्ष जब उनके बेटे का पहली कक्षा में प्रवेश हुआ, तो उन्होंने महतारी वंदन योजना की राशि से बेटे के लिए बस्ता, स्लेट, पेंसिल, जूते सहित अन्य शिक्षण सामग्री खरीदी। श्रीमती रबीना बताती हैं कि उनके पति कृषि कार्य करते हैं और वह स्वयं भी खेती में हाथ बंटाती हैं। पहले किसी भी प्रकार की बचत कर पाना मुश्किल था, लेकिन इस योजना से अब हर माह थोड़ी-बहुत राशि बचाकर वह अपने बेटे के उज्जवल भविष्य की नींव मजबूत कर पा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्रीमती रबीना ने कहा कि महतारी वंदन योजना उनके जैसी हजारों-लाखों महिलाओं के लिए संबल बनी है। इससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने और परिवार में योगदान देने का अवसर मिल रहा है।

मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान शासन की पहली प्राथमिकता, प्रभावी कार्ययोजना बनाकर करें काम : आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला

प्रभावी कार्ययोजना बनाकर करें काम: आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला

रायपुर। आयुक्त सह संचालक ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में डॉक्टरों को नियमित फील्ड विज़िट करने के दिए निर्देशस्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु जिला अस्पताल सुकमा के सभाकक्ष में आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख योजनाओं, उनके लक्ष्यों, प्राप्तियों और कार्यों की विस्तार से चर्चा की गई।

डॉ. प्रियंका शुक्ला ने कहा कि मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की प्राथमिकता वाले कार्यों में से एक है और मलेरिया को खत्म करने लिये शासन हर संभव प्रयास कर रही है। मलेरिया पैरासाइट को खत्म करने के लिए शत प्रतिशत जनसंख्या का स्क्रीनिंग करना अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिया कि मलेरिया पॉजिटिव मरीज के ठीक हो जाने के बाद 1 महीने पश्चात फिर से उस मरीज का फॉलो अप करके ब्लड सैंपल लेकर जांच किया जाए। साथ ही छिन्दगढ़ और कोंटा विकासखंड के गांव मलेरिया के अधिक प्रभाव वाले स्थानों में आते हैं, यहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि फील्ड के अधिकारी और स्वास्थ्य कार्यकर्ता लगातार क्षेत्र का भ्रमण करें और बुखार से पीड़ित व्यक्ति का मलेरिया जांच भी करना सुनिश्चित करें। डॉ. शुक्ला ने जानकारी देते हुए कहा कि जल्द ही स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मलेरिया मुक्त अभियान की तैयारियों और कार्यों का जायजा लेने के लिए बस्तर संभाग का भ्रमण करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हॉस्टल, आश्रम और गांवों में मच्छरदानी के उपयोग को प्रोत्साहित करना जरूरी है। उन्होंने मलेरिया नियंत्रण के लिए फील्ड में जाकर जागरूकता फैलाने और चिकित्सा कार्यों को और अधिक सघन करने के निर्देश दिए। डॉ. शुक्ला ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पूरी मेहनत, पारदर्शिता और आपसी समन्वय से कार्य करें।

प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत सुरक्षा अधिकारियों को सीपीआर और प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन द्वारा जीवन रक्षक उपायों के प्रति जागरूकता और तत्परता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट सुरक्षा के अंतर्गत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में में आज 'प्रोजेक्ट सुरक्षा' के अंतर्गत पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर्स (क्क्स्ह्र) को प्राथमिक उपचार और ष्टक्कक्र का जीवनरक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन वी.आई.पी. सुरक्षा वाहिनी, माना में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे क्क्स्ह्र के लिए 4वीं वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, माना रायपुर में किया गया। प्रशिक्षण का संचालन रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के मास्टर ट्रेनर एवं राजभवन चिकित्सक डॉ. देवेश रायचा ने किया।

प्रशिक्षण के दौरान, क्क्स्ह्र को आपातकालीन स्थिति में जीवन रक्षण हेतु ष्टक्कक्र तकनीक की जानकारी दी गई। डॉ. रायचा ने बताया कि हृदय गति रुकने की स्थिति में कैसे समय रहते ष्टक्कक्र देकर किसी की जान बचाई जा सकती है। प्रशिक्षुओं ने तकनीक को न केवल ध्यानपूर्वक सीखा बल्कि उसका प्रायोगिक अभ्यास भी किया।

प्रशिक्षण के पश्चात सभी प्रतिभागियों को 'प्रोजेक्ट सुरक्षा फर्स्ट एड किट' प्रदान की गई तथा उपयोग की जानकारी दी गई। जिसमें पैरासिटामोल, गैस की गोली, नॉरफ्लॉक्स-ञ्जं, कॉटन, बैंडेज, एडेसिव, बेटाडीन मलहम, ह्रक्रस् जैसे आवश्यक औषधीय सामग्री शामिल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि., जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)